एक गवाही समुंद्र पर

इससे पहले हम अपने सिर प्रार्थना में झुकाए, मैं परमेश्वर के वचन में से कुछ पढ़ना चाहता हूं। मैं हमेशा उसका वचन पढ़ना पसन्द करता हूं, क्योंकि मेरे शब्द असफल हो जाएंगे, वे मनुष्य के हैं, परन्तु उसका वचन असफल नहीं हो सकता। और वे जो मूल पाठ के साथ बने रखते है, और आदि–आदि, आइये हम मत्ती के 14वें अध्याय से पढे, आज रात्री, 22वे पद से आरंभ करते हुए।

और उसने तुरन्त अपने चेलो को बरबस *नाव पर चढ़ाया, कि वे उससे पहले पार चले जाए, जब तक कि वह लोगों को विदा करे।*

वह लोगो को विदा करके, प्रार्थना करने को अलग पहाड़ पर चढ़ गया: और जब... सांझ को, वह वहां अकेला था।

उस समय नाव झील के बीच लहरों से डगमगा रही थी: क्योंकि हवा सामने की थी।

और वह रात के चौथे पहर समुंद्र पर चलते हुए उनके पास आया।

चेले उसको समुंद्र पर चलते हुए देखकर घबरा गए, और परेशान होकर कहने लगे, वह भूत है; और डर के मारे चिल्ला उठे।

परंतु यीशु ने तुरन्त उन से बाते की, और कहा, धैर्य रखो; मैं हूं; डरो मत।

2 आइए हम अपने सिर प्रार्थना के लिए झुकाए। जबकि हमारे सिर और ह्रदय परमेश्वर के सामने झुके हुए हैं, क्या इस भवन में आज रात्री आवश्यकता है, जिसे अपने हाथों के उठाने के द्वारा परमेश्वर को बताना चाहते हैं, और प्रार्थना में याद करवाना चाहते है? परमेश्वर आप पर दृष्टी करे, और हम पर अनुग्रहकारी हो।

3 हमारे स्वर्गीय पिता, अब हम तेरी उपस्थिति में मार्ग के द्वारा आ रहे हैं, और प्रभु यीशु के नाम में। तेरे आशीषित आश्वासन के जानने के साथ, कि उसने हमसे प्रतिज्ञा की है, यदि हम उसके नाम में "कुछ भी मांगेगे,"

तो वह आप हमें प्रदान करेंगे। हम इसके लिए बहुत आभारी हैं। जैसा हम इस विषय में अनुभव करते है शब्द प्रगट नहीं कर सकते हैं, उस आश्वासन के साथ जो हमारे पास है, कि इस समय आप हमारी सुन रहे हैं।

4 प्रभु, आपने इन हाथों को देखा है। आप जानते हैं कि इनकी क्या आवश्यकता है। आप सर्वव्यापि, सर्वशक्तिमान, अनंत परमेश्वर हैं, और हम जानते हैं कि आप लोगों के ह्रदयो को जानते हैं। आप हमारे विचारों को जानते हैं। इससे पहले की हम सिरजे जाते, आप हर एक विचार को जानते हैं जो कि हमारे हमेशा से रहे है, क्योंकि आप अनंत हैं।

5 और प्रभु हम प्रार्थना करते हैं, इस घड़ी में, जैसे कि हमारी इच्छाएं आपके पास पहुंच रही हैं, प्रभु, स्वर्ग से नीचे की ओर देखें, और हमारी विनंतीयां अपने ह्रदय पर ले, प्रभु, और अपने महिमा की भरपूरी के अनुसार हमें उत्तर दे। हमें हमारे ह्रदय की इच्छा प्रदान करे, यह भरोसा करते हुए कि यह आपकी दिव्य इच्छा है। और हम जानते हैं कि यह आपको भले रूप से भाता है कि आपकी इच्छा पूरी करे।

6 प्रभु, आज रात अपनी महान उपस्थिति को हम पर फिर से उंडेल दे। रोगियों को चंगा करें। खोए हुओं को बचाये, जो पाप में और अपराधों में मरे हुए हैं, उन्हें जिलाये, और आज रात्री उन्हें नए जीवन में ले आये। होने दे हम यीशु को देखें। यह हम उसके नाम में मांगते हैं। आमीन।

7 आप बैठ सकते हैं। हमें खेद है कि बैठने के लिए हम लोगों को स्थान नहीं पाए। परन्तु, पहली रात्री से लेकर, वे कहते हैं कि उन्हें लोगों की बड़ी भीड़ को वापस करना पड़ा, इसलिए इसके लिए हमे खेद है। और भाई ग्रांट दूसरा कमरा नही बना सके या तो, कि... मैं विश्वास करता हूं कि बायी ओर यह इस आड़ को या विभाजन को हटाने जा रहे है। बहुमूल्य, कृपालु भाई ने आज मुझसे पुचा यदि मैं इसे एक वार्षिक चीज बना दू, उसके डालास के आराधनालय में, वापस जाऊं। एक महान निमंत्रण, जैसा कि यह इस घड़ी में है, जबकि दरवाजे तेजी से बंद हो रहे हैं, और तब यह व्यक्ति मुझे चाहता है कि मैं वापस आऊं और इसे वार्षिक अवसर बनाऊं। मैं इसकी सराहना करता हूं।

8 आज प्रात: मेरे पास उनके साथ संगति करने का समय था, भाई गॉर्डन लिंडसे और उनमें से बहुत से थे। भाई पेरी ग्रीन, जो आने वाली सभा का जो ब्यूमोंट में होने वाली है खर्चा उठाएगे, आज रात्री यहां मेरे पीछे बैठे

हैं। और हमारे बहुत सारे मित्र, भाई डॉन और उनकी पत्नी। उन्हें हम यहां पाकर आनन्दित हैं। प्रभु उन्हें आशीषित करे।

9 अब, आज रात्री, बस... मैं अपने संदेशों को इतना ही साधारण बनाने का यत्न कर रहा हूं, कि यहाँ तक एक बालक भी उन्हें समझ सके।

10 कल दोपहर बाद सुसमाचारक सुनाने की सभा है, और मेरी इच्छा है कि आप सब आ सके।

11 अब यदि आपके अपने आराधनालय में सभाये है, तो क्यों नही, वही जहां आप—आप है आप—आप वहीं रुके। हम नहीं चाहते कि कोई भी अपनी कलीसिया को छोड़े, कि... और यदि आप रोगी हैं और प्रार्थना करवाने के लिए आना चाहते हैं, और आपकी कलीसिया की सभा शाम को है, तो अपने पास्टर से इस विषय में कहे, इस प्रकार वह बुरा नही मानेगे, आप समझे। उन्हें मालूम हो कि हम यहां सहयोग करते हैं, कि—कि यीशु मसीह की समस्त देह जो कि यहां डलास में और आस–पास में दुसरे देशो से है।

12 इसलिए, कल दोपहर बाद, मैं सोचता हूं, ढाई बजे, मुझे एक सुसमाचारक के संदेश को देना है। और उसके बाद हम सारे बीमार लोगों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं, सारे प्रार्थना पत्र उठा ले और वह चीजे जों इस सप्ताह छूट गयी है, और कल उन सब के लिए प्रार्थना करेंगे।

13 अब आज रात्री मेरा विषय कुछ क्षणों के लिए, एक नाटक के समान है। और आज रात्री जितना हो सकेगा मैं लुंगा, बीमारों की प्रार्थना के लिए। मेरा मूल पाठ है, "डरो नही, ये मैं हूं," यीशु बोल रहा है। मेरा विषय है: *एक गवाही समुंद्र पर*।

14 यह लगभग दोपहर बाद की बात है, सूर्य अवश्य ही डूब रहा होगा, जब इस बात ने जगह को लिया, और अब अवश्य ही इसी प्रकार गर्म दिन रहा होगा जैसा कि यहाँ है।

15 वातानुकूलित मशीन खराब है, और वे इसे ठीक कर रहे हैं। यही कारण है कि मैंने अपने विषय को बदल दिया, जिस पर कि बोलने जा रहा था, ताकि मैं जल्द समाप्त कर सकूं, ताकि आपको इस गर्मी में इस प्रकार ना बैठना पड़े।

16 यह बड़ा मछुआरा, सारे दिन में क्या हुआ यह देखने के बाद, यीशु को उसकी महान सेवकाई में देख रहा था।

17 उसके पीछे चल कर मुझे उन दिनो में जीना बहुत अच्छा लगता। परन्तु, आप जानते हैं, मैं प्रसन्न हूं कि अब भी मुझे विशेषाधिकारी प्राप्त है, कि वही चीजे करूं, और उसे कार्य करते हुए देखू। और आज उसे कार्य करते हुए देखना महान बात है, बजाए तब के। अब मुझे उसमें अधिक विश्वास है, और अब मुझे उसमें पहले के तुलना में अब अधिक विश्वास है, क्योंकि हमारे पास दो हजार वर्ष थे कि सिद्ध करे कि वह सुसमाचार ठीक है। और दो हजार वर्षों के पश्चात, वह अब भी जीवित है, वही कर रहा है जैसा उसने तब किया था, इसलिए हमारे पास बड़ा आश्वासन और अधिक नीव विश्वास के लिए है जितना कि उनके पास तब था।

18 क्योंकि, वह एक साधारण मनुष्य था जो इस दावे के साथ चारो ओर घूम रहा था कि—कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया था और परमेश्वर का पुत्र था, और परमेश्वर उस दिन में अपने प्रतिज्ञा के वचन को उसके द्वारा प्रमाणित कर रहा था, उनके पास कुछ कारण थे कि संदेह करे। वे लोग धर्मज्ञानी थे! और आप ध्यान दे कि यह दुःख की बात थी, यह वास्तव में दयनीय था, क्योंकि वे धर्मज्ञानी उसका विश्वास कर लेते यदि परमेश्वर ने उनकी आंखों को अंधा ना कर दिया होता। बाईबल ऐसा बताती है।

19 क्या आप जानते हैं कि उसने प्रतिज्ञा की है कि वह उनकी आंखों को आज फिर से अंधा कर देगा, ताकि वे उसे ना देख सके? वे "मतवाले, घमण्डी, परमेश्वर से अधिक सुख विलास के चाहने वाले, झगड़ा मचाने वाले, झूठा दोष लगाने वाले, असंयमी, भले के बैरी; भक्ति का भेष तो धरेंगे, परन्तु उसकी सामर्थ को ना मानेगे।" बिल्कुल वैसे ही प्रतिज्ञा फिर से वही है। और आप कुछ नही कर सकते परन्तु उनके लिए खेद का अनुभव कर सकते हैं, और उनकी आंखें आज तक अंधी है। वे वचन जिनकी परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है, कि वह इस दिनो में घटित होगी, इस घड़ी में, और हम उसे साफ–साफ देख रहे हैं और ध्यान दे रहे हैं। और तब लोग देखते हैं, और अपना सिर हिलाते और चले जाते हैं, कहते हैं, "मुझे यह समझ नहीं आता।" यह एक दयनीय बात है, परन्तु तौभी वचनों को पूरा होना है। इसे अवश्य ही इसी प्रकार से होना है।

20 इसलिए यह प्रेरित परमेश्वर के चुने हुए थे। क्या आपने ध्यान दिया, यीशु ने उन्हें बताया, "जगत की बुनियाद से पहले," उसने उन्हें चुना, और वे परमेश्वर के अभिषिक्त बीज थे। इसी कारण जब परेशानियाँ आती

है, और लोग प्रश्न पर यीशु को जैसे की अलग खड़ा हुआ देखते है, पर उनके लिए कोई प्रश्न नहीं होता। वे इसे नहीं समझ सके, परन्तु वे दृढ़ संकल्प थे कि उसे छोड़ और कुछ नहीं जानना चाहते है। "केवल तेरे ही पास जीवन का वचन है।" और वे इसके साथ स्थिर रहने के लिए दृढ़ संकल्प थे, क्योंकि वे इस कार्य पद के लिए नियुक्त किये गये थे।

21 और ऐसा आज है, वे पुरुष और महिलायें, जो अनंत जीवन के लिए नियुक्त किये गये हैं, वे अनंत जीवन के लिए आएंगे। "वे सब जिन्हें पिता ने मुझे दिया है, मेरे पास आयेंगे।" यह उसका वचन है, और वह असफल नहीं हो सकता। यह—यह परमेश्वर का वचन है।

22 और अब हम इन चेलो को देखते हैं, जिनकी उस दिन बड़ी सभा थी, वहां बाहर पहाड़ के किनारे मैदान में। और यीशु ने उन्हें बताया था, "अब तुम आगे चलो और समुंद्र को मेरे आगे–आगे पार करो।" और वह ऊपर पहाड़ पर जा रहा था, अकेला, प्रार्थना करने के लिए। और ये चेले मित्रों से मिलने के बाद, मैं बस थोड़ी कल्पना कर सकता हूं कि उन्होंने कैसा अनुभव किया।

23 क्योंकि, मित्रों से मिलकर, और फिर मित्रों से अलग होना है; आप तब उनसे परिचित होते है, और उसके बाद आपको अलविदा कहना होता है। समस्त संसार में, समुन्द्र पार, मुझे हमेशा एक प्रकार से ह्रदय में पीढ़ा होती है, मित्रों से मिलने के पश्चात और उसके बाद उन्हें छोड़ना, यह जानते हुए कि बहुत से ऐसे हैं कि आप कभी फिर से उनसे न्याय तक नहीं मिलने पायेंगे। यह एक प्रकार की दु:ख की बात है।

24 मैं किनारे में घुसी हुई उस—उस नाव की कल्पना कर सकता हूं। और अवश्य ही शमौन पतरस अपने गठीले हाथो और कंधों के साथ, नाव में आगे धक्का लगाया और समुंद्र में आगे बढ़ा दिया। और वे उनको जो किनारे पर थे हाथ हिला कर अलविदा कह रहे थे। और वे चिल्ला रहे थे, "फिर से आना और गुरु को यहाँ लाना कि हमसे मिले! और आकर एक और बेदारी को करे; आज हम बहुत ही आशीषित हुए हैं!" और नए मित्र हाथ को हिला रहे हैं। और वह बाकी चेलो के साथ नाव में चढ़ गया, और हो सकता है अपने भाई के पास बैठ गया होगा, इन्द्रियास, और पतवार उठा ली।

25 तब वे—वे नाव या तो हवा से या पतवारो के द्वारा चलाये जाये थे जिसे वे खीचते थे। और तब हो सकता है कि वे दोनो नाव में बैठे हो, दो

दूसरी ओर बैठे हो, और वे... या दो एक सीट पर, मेरा मतलब, हो सकता है छह या आठ पतवारो के कुंडे हो। वे समय पर चप्पू को खींचकर चलाते, और इस तरह जब तूफान चल रहा हो तो वे नाव को उसकी उलटी स्थिति में रोक सकते थे।। तब, हवा साधारण रीति से चल रही थी, वे उस जहाज पर समुंद्र यात्रा को बराबर चला सकते थे।

26 इस घटना से पहले वचन पढ़कर लगता है कि अवश्य ही दोपहर की गर्मी थी, और इसलिए यह अवश्य ही बहुत ही शांत, खुली धूप, गर्म दोपहर थी। सूर्य अस्त हो रहा था। और वे, जब वे पतवार से चला रहे थे, और उन्हें ढीला छोड़कर और अपने हाथ हिला कर लोगों को अलविदा कर रहे होगे, "आशा करते है कि किसी समय फिर आपसे मिलेगे," जब वे समुंद्र में आगे बढ़ रहे थे। और सूर्यास्त, और सांझ का उजियाला था, और तब कुछ देर पश्चात वो—वो अंधेरा छाने लगा।

27 और अवश्य ही उन्होंने पतवार को चलाने की—की अच्छी गति पकड़ ली होगी, और जब वे चप्पू गहरे सागर में होते है तो इसे चलाना कठिन काम होता है। और उनमें से अधिकतर मछुआरे थे—थे, और बढ़े शक्तिशाली मनुष्य, सागर के जानने वाले। और इसलिए वे आशा कर रहे थे कि यीशु नाव में बैठ कर उनके साथ–साथ जल्द ही आएगा। क्यों, वे वहां से बढ़ चले, और उन्होंने अवश्य ही बस जरा सा किनारा छोड़ा होगा; एक प्रकार से अपनी नाव आरंभ कि होगी, और फिर बढ़ने दी।

28 हो सकता है अवश्य ही युवा यूहन्ना सबसे पहले बोल पड़ा हो, क्योंकि झुण्ड में वह सबसे छोटा था। और ऐसा हुआ होगा कि उसने कहा, "मैं बस थोड़ा सा थक रहा हूं। हम थोड़ा सा किनारे से बढ़ चले। एक मिनट रुको, हमें जल्द बाजी नही करनी चाहिए। वह अभी तक नहीं आया है, इसलिए हम थोड़ी सी प्रतीक्षा करके और एक प्रकार से अच्छी हवा की साँस ले सकते हैं।"

29 और जैसे ही वह वहां अपना सिर थोड़ा सा नीचे करके बैठा, उसने अवश्य ही गवाही की सभा आरंभ किया होगा। और आज मैं बात उसी विषय में बात करना चाहता हूं। हो सकता है वही हो जिसने पहले उठकर और कहा हो, "भाइयों, इससे कोई मतलब नहीं कि लोग क्या कहते हैं, और कोई कितना अविश्वास करना चाहता है, और आज के बाद से मैं निश्चित हो गया हूं कि हम किसी धोखेबाज का अनुकरण नहीं कर रहे हैं।

हम किसी और चीज का अनुकरण नहीं कर रहे हैं, जो परमेश्वर से कम है, क्योंकि कोई भी मनुष्य यह नहीं कर सकता जो उसने किया, जब तक कि वह परमेश्वर ना हो। आप जानते हैं, जब उसने उन रोटियों को लिया और उन्हें तोडा और वहां पांच हजार को खिला दी, यह मेरे लिए बहुत ही आश्चर्यजनक बात है। आज भी इस विषय में प्रश्न हो सकता था," अब मैं बस उसकी गवाही को दोहरा रहा हूं जैसे कि वह थी, "परन्तु इससे बात खत्म हो जाती है।"

30 बोला, "मुझे स्मरण है वर्षा पहले। मैं वहां यर्दन के पास रहा करता था। और मैं स्मरण कर सकता हूं, एक छोटे लड़के के समान, कैसे मेरी यहुदी सुंदर सी मां, हमेशा मुझे उठाकर, दोपहर में, और मुझे गोद में बैठा कर, मुझे बरामदे में झुला झुलाती थी, जब यर्दन के किनारे–किनारे खसखस के फूल खिले हुए होते थे। और वह उधर पार रेगिस्तान की ओर देखा करती थी, जिधर से हमारे लोग रेगिस्तान में से होते हुए लाए गए थे। वह मुझे बाईबल की कहानियाँ सुनाती थी। और उसमें से एक बड़ी कहानी मुझे याद है, जो शुमेनी स्त्री की थी जब उसका छोटा लड़का मर गया था, और— और भविष्यवक्ता ने उस लड़के को फिर से मृत्यु से जिला दिया। वह बड़ी रोमांचक कहानी हुआ करती थी।

31 "परन्तु एक सबसे रोमांचित कहानी जो माँ मुझे सुनाया करती थी, वह कहती थी, 'अब, यूहन्ना, तुम एक छोटे लड़के हो; परन्तु मैं चाहती हूं, कि जब तुम बड़े हो जाओ तो स्मरण रखो, कि, वह महान यहोवा हमारे लोगों को मिस्र से निकाल लाया, और नदी के उस पार हम जंगल में से होते हुए आए। और पूरे चालीस वर्षो तक, उन्होंने उस जंगल में यात्रा की, कपड़े खरीदने का कोई स्थान नही था, और कोई खाने का स्थान नही था। और परमेश्वर ने स्वर्ग से रोटी गिराई, हर रात्री में और हमारे लोगों को जंगल में खिलाया, क्योंकि वे अपने कर्तव्य पर थे, महान यहोवा का अनुकरण कर रहे थे। और अब, किसी दिन, यहोवा इस पृथ्वी पर शरीर बन कर आने वाला है, एक मनुष्य के रूप में, वह एक अभिषिक्त जन कहलाएगा, मसीह।'

32 "और मैं स्मरण करता हूं," वह कहेगा, "एक छोटे लड़के के समान, कैसे छोटे लड़के का मस्तिष्क उसे चित्रित करने करने का यत्न करता था, 'कैसे परमेश्वर ने उन सब को खिलाया पच्चीस लाख लोगों को उस जंगल

में? वह सारी रोटी कहां से लाया? ' और मैं माँ से पूछा करता था, 'माँ, क्या उसके पास—पास, क्या यहोवा के पास आकाश में ढेर सारे तन्दूर थे, और वह उसमे सारी रोटियां पकाता था, और रात में नीचे उतर कर, और लोगों के लिए उस—उस मैदान में रख देता था, और यहोवा का बड़ा आकाश तन्दूरो से भरा पड़ा हैं? ' वह कहती होगी, 'नहीं, बेटा, तुम समझने के लिए बहुत छोटे हो। देखा, यहोवा सृष्टिकर्ता है। उसे तन्दूर की आवश्यकता नहीं है। वह केवल बोलता है, और उसका वचन प्रगट में लाता है जब वह बोलता है। वह महान यहोवा है, और वह केवल इसे बोलता है। और स्वर्गदूत पृथ्वी पर लोगों के लिए बांट देते है।'

33 "और आज, जब मैंने उसे वहां खड़े हुए देखा था, तो क्या आपने ध्यान दिया वही आभास उसके मुख पर था? उसके मस्तिष्क में कोई संदेह नहीं था। मैं उसके पीछे वहां चट्टान पर चढ़ गया, और उसे देखा और जैसा कि वह रोटी लेता, और तोड़ता, और उनको देता... अपने सेवको को, हमें, लोगों में इसे बांटने के लिए। और जब वह तोड़ने के लिए फिर पीछे मुड़ता, रोटी फिर से पूरी हो जाती। और यह उसने सैकड़ों बार किया, जब तक कि हर किसी का पेट नहीं भर गया, और टोकरियां भरी हुई उठायी गयी। मैं जानता हूं कि वह यहोवा को छोड़ और कुछ नहीं हो सकता, क्योंकि उसने यहोवा के समान कार्य किया। केवल यहोवा ही सृष्टी कर सकता है। और मैं जानता हूं कि वह मनुष्य धोखेबाज नहीं हो सकता। केवल एक ही सृष्टिकर्ता है, और वह यहोवा है। और अब, वह सारी बाते जो मैं देख चुका हूं, उससे में संतुष्ट हूं।

34 "और अब मैं यह बता देना चाहता हूं कि मेरा ह्रदय पूरी तरह से समर्पित है, और अब मैं पूरी तरह से विश्वास करता हूं कि वह केवल एक भविष्यवक्ता ही नहीं है। वह भविष्यवक्ता है, परंतु वह भविष्यवक्ता से भी अधिक है। वह हमारे बीच में रहने वाला यहोवा परमेश्वर से कम नहीं है, क्योंकि उसने रोटी की सृष्टी की, और उसमें यहोवा का स्वभाव है। कोई आश्चर्य नहीं कि वह कह सकता है, 'यदि मैं अपने पिता के कार्य ना करू, तो मेरा विश्वास मत करो; परन्तु यदि मैं अपने पिता के काम करता हूं, और तुम मेरा विश्वास नहीं कर सकते, तो मेरे कामों का विश्वास करो, क्योंकि वे मेरी गवाही देते हैं और बताते हैं कि मैं कौन हूं।' ऐसा लगता है कि लोग आसानी से यह देख सकते होगे।"

35 और यूहन्ना संतुष्ट था कि वह मसीहा था, जिसके विषय में यशायाह ने कहा, "हमारे लिए एक पुत्र उत्पन्न होगा, और उसका नाम शान्ति का राजकुमार होगा, सर्वशक्तिमान परमेश्वर, अनन्त पिता।" और यूहन्ना संतुष्ट था क्योंकि जो उसने देखा था। नवयुवक अपनी गवाही को दे रहा है।

36 उसी समय के लगभग, शमौन पतरस बोला, "तो, अब, जरा एक मिनट। यदि हम गवाहियो की सभा करने जा रहे हैं, तो मैं कुछ कहना चाहूंगा। आप जानते हैं, मैं सारी बातो में बहुत ही संशयवादी था, जब इन्द्रियास मेरे भाई ने, जिसने यूहन्ना भविष्यवक्ता की बेदारी सभाओं में भाग लिया था, जिसने गवाही दी थी कि मसीहा आने वाला था और वह उसका परिचय कराएगा। और जो इन्द्रियास मुझे बताएगा उसके लिए मैं थोड़ी संशय दृष्टी को रखता था, क्योंकि मैंने बहुत प्रकार के मसीहो की कहानियां सुन रखी थी और बहुत कुछ।

37 "भाइयों आप सब को मेरे बूढ़े पिता स्मरण होगे। उसका नाम योना था। और आपको उसकी याद होगी, कि वह कितना कट्टर विश्वासी था। मैं किस तरह से उस बात याद कर सकता हूं मां और पिता, और हम सब, जैसे कि जीवन यापन के लिए मछली पकड़ते थे, और हम कोई मछली नहीं पकड़ पाए; हमें रोटी चाहिए, और कैसे हम जमीन पर उतरते और परमेश्वर से प्रार्थना करते, 'आज हमें पकड़ने के लिए मछली दे, परमेश्वर, ताकि हम अपनी मछली बेच सकें, और अपने कर्ज चुकाए, खाने के लिए खाना हो। और कैसे हम तूफान में समुद्र में गए, और उन तूफानों का—का सामना किया।

38 "और पिता, मैं उनके सफेद बालों को उसकी पीठ पर लटके हुए देख सकता हूं, एक दिन नाव के किनारे पर बैठकर और मुझ से कहने लगे, 'शमौन, तुम मेरे बड़े पुत्र हो। शमौन, तुम जानते हो, मैंने सदा विश्वास किया है कि मैं मसीहा को देखूंगा। हमारे लोग अदन से लेकर उसकी राह देख रहे है। और हमें निश्चित है कि वह आ रहा है, कोई फर्क नहीं पड़ता कितनी देर बाद। यह चार हजार वर्षो की बात है, आप कहते हैं। परन्तु मैं विश्वास करता हूं कि मसीहा आएगा। और हर यहूदी विश्वास करता है कि वह अपनी पीढ़ी में मसीहा को देखेगा। मैं उसे अपनी पीढ़ी में देखने कि आशा करता हूं। परन्तु ऐसा लगता है, अब मैं बूढ़ा हो गया हूं, मैंने समुद्र में जाना बन्द कर दिया है, और मुझे पीड़ा और दर्द हो रहा है, हो सकता है मैं

उसे अपने समय में ना देख सकू। परन्तु मेरे पुत्र हो सकता है, तुम देखोगे।

39 "'और मैं तुम्हे पवित्र वचन में शिक्षित करना चाहता हूं। पुत्र, इससे पहले मसीहा दृश्य में आये, तो बहुत सी चीजे यहाँ–वहां घटित होंगी, सब प्रकार की झूठी बातें, क्योंकि शैतान ऐसा करेगा, कि वास्तविक मसीहा के प्रभाव को ख़त्म करे, जब वह आता है।'" हमेशा से यही होता आया है; अब भी वैसा ही है।

40 उसने कहा, तब हम पाते हैं, "मुझे स्मरण है उसने मेरे गले में के चारो ओर हाथ डाला, कहा, 'पुत्र, केवल एक ही विधी है कि तुम मसीहा को पहचान सकते हो। अब हमे बिना किसी भविष्यद्वक्ता के सैकड़ों वर्ष हो गए है। मलाकी हमारा अंतिम भविष्यवक्ता था। यह बात को चार सौ वर्ष हो रहे है, हमारे पास कोई भविष्यवक्ता नहीं रहा था। परन्तु स्मरण रखना, मूसा ने हमें वचन में बताया है, कि, जब मसीहा आता है, तो वह एक भविष्यवक्ता होगा, जब वह दृश्य में आता है। हम यहूदियों को सिखाया गया है कि भविष्यवक्ता का विश्वास करे। और धरती पर मसीह की यात्रा परमेश्वर का बोला हुआ वचन है, उसने यही प्रतिज्ञा की है। और वचन सदा भविष्यवक्ता के पास आता है, और भविष्यद्वक्ता उस वचन को प्रमाणित करता है। पुत्र, इस बात को ना भूलना! बहुत सी बड़ी–बड़ी चीजे उठ खड़ी हो सकती है, हो सकता है वहां बहुत सी उत्सुकता और—और बड़ी–बड़ी चीजे हो। परन्तु स्मरण रखना, कि मसीह एक भविष्यवक्ता होगा, क्योंकि हम जानते हैं कि परमेश्वर कभी अपनी विधी नहीं बदलता, और उसने कहा कि मसीहा एक भविष्यवक्ता होगा। इसलिए मेरे पुत्र, स्मरण रखो, भविष्यवक्ता वे होते हैं जिसके पास प्रभु का वचन होता है। और जब मसीह आता है, तो वह एक भविष्यवक्ता होगा।'

41 "मैं अब भी उसके हाथ को अनुभव कर सकता हूं," शमौन ने कहा, "जैसा कि उसने इसे मेरे ऊपर डाल रखा था। और इन्द्रियास वहां खड़ा हुआ, उस समय पर जाल को धो रहा था। इन्द्रियास, तुम्हे यह याद है?"

"हाँ, शमौन, मुझे—मुझे यह याद है।"

42 "और इन्द्रियास मुझे बताने का यत्न कर रहा था कि यह यूहन्ना एक भविष्यवक्ता था। और मुझे करने के लिए और कार्य थे, मछली बेचनी थी और आदि–आदि। सो पिता वर्षों पहले मर गए, परन्तु मैंने हमेशा उस बात को अपने मन में रखा; पिताजी ने कहा, 'यह मसीह पवित्र वचन के द्वारा

प्रमाणित भविष्यवक्ता होगा, और इसे भूलना नही, क्योंकि यह परमेश्वर का बोला हुआ वचन है। और यह वचन निरन्तर हमेशा भविष्यद्वक्ता के पास आता है; वह इसे प्रमाणित करता है, या प्रगट करता है कि उस युग के लिए क्या प्रतिज्ञा थी।'"

43 और अब, "एक दिन," शमौन ने कहा, उसने कहा, "आप जानते हैं कि इन्द्रियास ने मुझे प्रार्थना सभा में जाने को कहा। और मैं वहां प्रार्थना सभा में गया जहां यह व्यक्ति, यीशु था। और मैंने सब प्रकार की अफवाहें सुनी थी। उसके सामने, वहां एक यीशु उठ खड़ा हुआ था जिसने कुछ तो बड़ा होने का दावा किया था, चार सौ लोगो को अगुवा करके ले गया और वे सब नष्ट हो गए, और आदि–आदि। मैंने सोचा यह भी उसी तरह का एक और है, किसी चीज के एक बड़े उत्साही बेदारी के साथ है या कोई बड़ा संप्रदाय वे बनाने जा रहे है। परन्तु एक दिन मैंने सोचा कि मैं वहां इन्द्रियास के साथ जाऊंगा, मेरे भाई के साथ।"

44 और मैं उस समय के विषय में कल्पना कर सकता हूं, कि नाव हिलने लगी। किसी ने तो चिल्लाना आरंभ किया, और उसने कहा, "बैठ जाओ! नाव को मत डगमगाओ। एक मिनट रुको। शांत बैठ जाओ।"

45 और उसने कहा, "आप जानते हैं, जब मैं वहां पर गया और उसके सामने पहुंचा, पहली बार, उसने सीधा मेरी आंखो में देखा और मुझे बताया कि मेरा नाम क्या था। उसने पहले मुझे कभी नहीं देखा था। वह केवल मुझे ही नही जानता था, परन्तु वह मेरे उस धर्मी बूढ़े पिता को भी जानता था, जिसने पवित्र वचन में मुझे निर्देशन दिए थे। और मैं जानता था कि वह मसीहा था। मेरे लिए यह ठीक वही पर तय हो गया। वह था। मेरे लिए यह ठीक है।"

46 फिलिपुस ने अवश्य ही कहा होगा, "क्या मैं यहां कुछ कह सकता हूं? " अब उसने कहा, "भाई नतनेएल, आपको यह बुरा ना लगे तो; क्योंकि, आप जानते हैं कि हमने हस्त लेखो का वर्षों और वर्षों से अध्यन किया था, कि मसीहा कैसा होगा। परन्तु जब मैंने उसे यह करते देखा, मैं उठा और अपने मित्र नतनेएल को यहां ले आया। और जब वह वहां आया... "

नतनेएल ने कहा, "मुझे यह बताने दो। मुझे यह बताने दो।"

47 ओह, आप जानते हैं, जब यीशु ने आपके लिए कुछ किया है तो इस में कुछ तो है, आप—आप बस शांत खड़े रह ही नही सकते, आपको स्वयं

जाकर बताना ही है। क्या यह सही नहीं है? यदि यह कुछ वास्तविक है, तो आपको बस इसे कहना है। जब उसने मुझे पवित्र आत्मा से भर देता है, मैं इस विषय में बताना चाहूंगा। मैं चाहता हूं कि इस विषय में कोई जाने। ना कि इसे कोई और बताये; मैं इसे स्वयं बताना चाहूंगा।

48 और मैं कल्पना कर सकता हूं, कि नतऐल को सारा उत्सुकता मिल गयी और कहा, "आप जानते है, मैं यह कहना चाहता हूं। फिलिपुस, मुझे तुम पर थोड़ा संशय था, जब तुमने मुझे बताया था। मैंने पूछा, 'क्या कोई अच्छी वस्तू नासरत से निकल सकती है? ' और तुमने मुझे सबसे अच्छा उत्तर दिया जो किसी भी मनुष्य ने कभी दिया होगा, 'आकर और देख लो।'" आज यह ठीक कार्य करता है। यह सही बात है। घर पर बैठ कर आलोचना मत कीजिए। आकर, स्वयं देख लो, देखा। "कहा, 'क्या कोई अच्छी वस्तू नासरत से निकल सकती है? ' कहा, 'आकर और स्वयं देख लो।' और तुम्हे पता है तुमने मुझसे क्या कहा था।

49 "और जब मैं चल कर उसकी उपस्थिति में पहुंचा, और उसने मुझे बताया कि मैं 'एक—एक इब्रानी हूं, एक इस्राईली, और एक ईमानदार व्यक्ति, ' मैं यह जान गया।

50 "परन्तु मुझे आश्चर्य हुआ, 'यह कैसे हो सकता है? ' वह एक साधारण सा मनुष्य दिखाई देता है। मैं आशा कर रहा था कि मसीहा स्वर्ग से सुनहरे गलियारे से नीचे उतरेगा, और सीधा यरूशलेम में यहाँ संप्रदाय के मुखिया के पास जाकर, कहेगा, 'कैफा, मैं आ गया हूं।' परन्तु उन्होंने पाया कि वह नासरत से निकल कर आया है, एक निर्धन परिवार से; और वास्तव में उसके पीछे एक प्रकार की बदनामी थी, जैसे 'एक अवैध बालक।' यहाँ वह साधारण कपड़े पहने हुए खड़ा था, ना कि याजक या किसी और की तरह; केवल एक साधारण सा व्यक्ति। और जब मैं वहां पहुचा तो मैंने सोचा, 'यह कैसे मसीह हो सकता है? एक पुराना वस्त्र पहने हुए, यह उसने तब से पहने है जब से वह युवा लकड़ा था, और अब भी वही वस्त्र पहने हुए है; और उसके बाल पीछे लटक रहे है। रास्ते के एक साधारण व्यक्ति के समान।'

51 "और उसने मेरे चेहरे की ओर देखा, और कहा, 'इससे पहले फिलिपुस ने तुझे बुलाया, जब तू पेड़ के नीचे था, मैंने तुझे देखा।' मेरे लिए यह पक्का हो गया। वचन के द्वारा, मैं जान गया कि यह मसीहा था। यही है वह।"

52 और अवश्य ही नाव हिल गई होगी, और गवाहियों की सभा आगे चलती रही। ओह, उनके पास क्या ही जबरदस्त समय था, वहां उस समुंद्र पर, बस बहुत ही महान समय।

53 इन्द्रियास ने कहा, "मैं एक बात कहना चाहता हूं थोड़े समय के लिए एक प्रकार से मेरे लिए उलझन थी। आपको स्मरण है जब हम—हम यरीहो जा रहे थे? उसने कहा, 'हमें ऊपर जाना ही है; मुझे सामरिया होकर जाना अवश्य है।' इस प्रकार, वह सामरिया को गया और वहां सूखार नगर में, जब उसने हम सब को नगर में खाद्य सामग्री खरीदने के लिए भेज दिया।"

54 "ओह, हाँ, मुझे वह कुआ याद है!" सारे के सारे बोले, "हाँ, हाँ!" तब नाव हिल रही थी, सब के पास एक शानदार गवाही थी, उस बेदारी के समाप्त होने के पश्चात। सो उनके पास यह गवाही की सभा थी।

55 और उसने कहा, "हां, तुम्हे याद है हम आगे चले गए, और, हमें आश्चर्य हुआ, जब हमने स्वामी को एक नामी वैश्या से बाते करते देखा। 'उह–हुंह,' हमने सोचा, 'यह बुरी बात है। उस युवा स्त्री से उसे बात करते हुए देख कर। और हमें दूर भेज दिया, और यहाँ वह इस बदनाम स्त्री के पास वहाँ बैठा हुआ है।' स्मरण है, हम झाड़ी के पीछे खड़े हुए थे, और हमने उनकी बातचीत सुनी।

56 "और हमने उसे उससे कहते सुना, 'स्त्री, जाकर अपने पति को यहां बुला ला।'

57 "और हमने कहा, 'भाई हो सकता है, हम गलती पर हो, हो सकता है, वो स्त्री बस क़ानूनी रूप से विवाहित हो।'

58 "और उसने मुड़ कर उसके मुख की ओर देखा, और कहा, 'श्रीमान, मेरे पास कोई पति नहीं है।'

59 "तुम्हे स्मरण है कैसे हमारे ह्रदय बैठ गए थे? हमारा महान मसीहा जिस पर हमें भरोसा था, यहाँ झूठ में पकड़ा गया, एक गडबडी हो गयी, उसने कहा, 'जाकर अपने पति को बुला कर ला,' और वह कहती है कि उसके पास कोई पति नहीं है। अब तो यह उस पर उल्टा पड़ गया। याद है हम सब ने कैसे आश्चर्य से देखा था, और हमारी सांस रुक गयी थी? "

"हाँ, मुझे याद है।"

60 "तब आपको अगले शब्द स्मरण है? उसने कहा, 'तू ने सच कहा है, क्योंकि तेरे पांच पति थे, और अब जिसके साथ तू रह रही हैं, वह भी तेरा नहीं है।' ओह, तुम्हे झाड़ी के पीछे की गवाही की सभा स्मरण है? ओह!" देखिए, आप उसे घेर नहीं सकते। वह परमेश्वर है। "ओह," शमौन ने कहा, "वह तो बस... " इन्द्रियास ने कहा, "मेरे लिए यह पक्का हो गया।"

61 बरतुल्मै ने कहा, "रुको, मैं भी अपनी गवाही को रखना चाहता हूं। भाईयो, क्या मैं इसे दे सकता हूं? "

62 "ओह, हां, मैं समझता हूं कि तुम दे सकते हो, हमारे पास बहुत समय है। वह अभी तक नहीं आया, इसलिए हम थोड़ा सा और पतवार को चलाएंगे। बरतुल्मै, आगे बढ़ो, तुम गवाही दो।"

63 "भाई, मेरे लिए जो एक महान बात है, आपको स्मरण है हमारी एक बहन यरीहो में, जिसका नाम रिबका? "

"हाँ।"

"और उसका पति नीचे रेस्टोरेंट चलाता है।"

"उह–हुंह।"

64 "और—और वह एक व्यापारी था, और उसका नाम जकई था।"

"हाँ, हाँ, मुझे वो अच्छी तरह से याद है।"

65 "आपको स्मरण है, वह—वह हमारी बहनों में से एक थी। उसने प्रभु पर विश्वास किया था, और वह डर रही थी कि जकई यह सब कुछ बिना यीशु को स्वीकार किए ले लेगा। और, ओह, जकई वहां के याजक का बहुत अच्छा मित्र था। और इसलिए वह प्रार्थना कर रही थी कि कुछ तो घटित हो जाए कि उसकी आंखें खुल जाये, और वह यह पहचान लेगा कि यह वो गुरु था, यह परमेश्वर का प्रमाणित वचन है, हमारे बीच में देहधारी हुआ। हमने उसे बताने का यत्न किया... उसे बताया कि कैसे नासरत का यीशु हृदय के गुप्त विचारो को जान लेता है, यह दर्शाता है कि वह वचन था, क्योंकि वचन हृदय के विचारों को परख लेता है।

66 "'बेकार की बात,' उसने कहा, 'मैं याजक पर विश्वास करता हूं। याजक जो कहता है मेरे लिए पर्याप्त है।' क्योंकि वह नगर के सारे उन—उन कार्यो से सम्बन्धित है, किवानीस और सब कुछ, आपको मालूम हैं, इसलिए वह... थोड़ा कठिन था कि उसे इस सहमत किया जाए। इसलिए

रिबका ने हम से प्रार्थना करने के लिए—प्रार्थना करने के लिए कहा था। और हर बार जब हम विषय पर आते कि वह एक भविष्यवक्ता है, वह कहता, 'बेकार की बात! याजक कहता है, "वह बालजबूल है। वह शैतान है। वो इसे शैतान की सामर्थ के द्वारा करता है। और वह केवल टेलीपेथी याने मनो को पढने की कला है। इसमें बस इतना ही है। इससे कुछ नहीं होता।" आज के दिन में ऐसा कुछ नहीं है; हमारे पास सैकड़ों वर्षों से कोई भविष्यवक्ता नहीं है। और कैसे वह व्यक्ति, जिसके पास संगति का परिचय पत्र भी नही है, वह भला कैसे भविष्यवक्ता हो सकता है? ओह, नही किसी भी तरह से वह यह नहीं हो सकता था!'

67 "परन्तु, आप जानते हैं, रिबका उसकी पत्नी अड़ी रही, और प्रार्थना करती रही। और एक प्रात: जब यीशु नगर में आ रहा था, तब हमने देखा, रिबका ने हमें बताया कि जकई उसे देखने वहां बाहर उस—उस सड़क पर चला गया है। इसलिए वह यह विश्वास नहीं करता था कि वह भविष्यव्यक्ता था, इसलिए उसने कहा, 'मैं बस उसकी ओर थोड़ा सा देखुगा,' कैसे उसने जब हम उस दिन रेस्टोरेंट में खाना खा रहे थे, तब हमे गवाही दी। इसलिए वह गूलर के पेड़ पर चढ़ गया, उसने कहा, 'आप जानते हैं कि मैं अपने आप को यहाँ छिपा लूँगा जिससे कि वह मुझे देख नही पाएगा। मैं एक छोटा सा व्यक्ति हूं, बहुत ही नाटा सा। और वहां नीचे भीड़ में से, मैं उसे नहीं देख सकता, इसलिए मैं यहां पेड़ पर चढ़ जाऊंगा।' और वह वहां गुद्दे पर पहुंच गया दो—दो, और इन डालियों के सहारे बैठ गया।"

68 यह बस एक अच्छा स्थान है कि बैठ कर ध्यान से देखा जाए। यहां पर आपके दो मार्ग मिलते हैं, आपका और परमेश्वर का; आपके विचार। इस पर सोचने के लिए यह अच्छी चीज है।

69 "इसलिए उसने कहा, 'आप जानते है क्या, उसे अवश्य ही एक भविष्यवक्ता होना चाहिए। वह हो सकता है। हो सकता है यह संभव हो कि मैं गलत हो सकता हूं। इसलिए मैं आपको बताऊंगा, मैं यहां से उसे भली प्रकार देखूंगा; और वह मुझे नहीं जान पायेगा। इसलिए मैं सारे पत्तों को लेकर और इस तरह से खीच लूंगा, अपने चारों ओर, और अपने आप को छिपा लुंगा इस प्रकार से वह मुझे बिल्कुल भी नही ना देख पाएगा। और जब वह इधर से गुजरेगा मैं उसे देखूंगा। और यदि वो ठीक प्रकार का व्यक्ति नही दिखाई पड़ता है, तो मैं उसे अपने मस्तिष्क के विचार, यही पेड़ पर से

ही बैठे–बैठे उसे दे दुंगा।' इसलिए उसने देखा, और पत्तो को लिया ताकि वह उचक कर और उसे देख ले, जब वह इधर कोने की ओर आता है।

70 "और जब वह कोने की ओर आया, सड़क पर चलते हुए, आप जानते हैं, एक ओर से दूसरी ओर देखते हुए और चेले कह रहे थे, 'एक ओर खड़े हो। मुझे खेद है।' और लोग बीमार बच्चो और दूसरी–दूसरी बातो के साथ थे। मुझे खेद है, गुरु बहुत बुरी तरह से थक गए हैं; पिछली रात्री बड़ी महान सभा हुई थी। और, सज्जन पुरुष के समान, 'कृपया क्या आप एक ओर खड़े हो जायेंगे और उसे निकलने दे, जब कि वह नगर की ओर जा रहा है, क्या आप बस एक ओर खड़े हो जाएगे? ' और जकई इधर पेड़ पर बैठा हुआ है, उसकी ओर नीचे देख रहा है।

71 "और यीशु सीधा पेड़ के नीचे आकर रुक गया, ऊपर देख कर और कहा, 'जकई, वहां से नीचे उतर आ। आज मैं तेरे साथ रात का खाना खाने के लिए घर जा रहा हूं।' मेरे लिए यह पक्का हो गया। वह जानता था कि वह वहां ऊपर है, और उसका नाम जानता था, कि वह कौन था। इससे पक्का हो गया। मेरे लिए यही मसीहा है। जी हां, श्रीमान। क्योंकि, हम जानते हैं कि मसीहा को यही करना था। निश्चिय ही। इसलिए उसे उसके साथ घर जाना था, कहा, उस दिन रात का खाना खाने के लिए। वह कितना महान समय था! हमें यह स्मरण है।"

72 आप जानते हैं, यह अवश्य ही उस समय के लगभग रहा होगा, जब गवाहियां चल रही थी। आप देखिए कि, यह चेले वहां समुंद्र पर गवाही दे रहे थे, यह अवश्य ही कहीं तो रात्री के अंधकार में हो रहा होगा, उधर उत्तरी राज्यों में, कि अवश्य ही शैतान पहाड़ पर चढ़ा होगा और नीचे की ओर देखा। उसने गवाहियो की सभा की ओर देखा, और उसने पाया कि वे उसके बिना निकल पड़े थे। यहां उसका मौका था।

73 इसलिए, मैं सोचता हूं वह द्रश्य को फिर से वापस बदलने पर था, स्वयं को दोहराया। वे बेदारी के उत्साह में थे, वे उसके बिना निकल पड़े थे। और मैं विश्वास करता हूं आज हम में से बहुतो के साथ यह होता है, कि, इस गड़बड़ी की घड़ी में, और इस महान बेदारी के पश्चात जिसकी हमने गवाही दी। यह सारे संसार पर छा गयी। प्रत्येक राष्ट्र में बेदारी की आग लगी, और जल रही है; महान चंगाई की सभाये; लोग पवित्र आत्मा पा रहे है, हजारो और हजार लोग। और इसी के उत्साह में, जैसा कि वे चेले गवाही दे रहे थे

कि उसने क्या किया है, "और, ओह, हमने उसे *यह* करते देखा है, और हमने उसे *वह* करते देखा है," मैं विश्वास करता हूं कि हम भी उन्ही के समान बिना उसके अलग से निकल गए।

74 हम उस महान सुअवसरों से बाहर चले गए हैं जो कि—जो कि बेदारी ने दिया था। हम बहुत सारे पैसे बनाने के सुअवसरों पर चले गए, कलीसियाये, बड़ी–बड़ी इमारते बना रही हैं, बड़े–बड़े लाखों डॉलर के स्थान, बड़े–बड़े विद्यालय, शिक्षा पध्दतियां, और अपने संप्रदाय को बढ़ा रहे हैं। और तब हमारे पास जो साम्यवाद योजनाए, साम्यवाद विरोधी है, आज हम इसी के विषय में बाते करते हैं। और पहली बात कि, शैतान ने हमें हमारी उन साम्यवाद विरोधी योजनाओं पर देख लिया है, हमारे बड़े संप्रदाय की योजनाओं पर, और हमारे "लाखों और अधिक," और आदि–आदि, जैसे की उनके पास है।

75 और हम अपनी पुराने चलन की प्रार्थना सभाओं से हट गए हैं और जो पवित्र आत्मा का बपतिस्मा वापस आ रहा है, इतना तक कि आग धीमी हो चुकी है। आप चिल्ला सकते हैं, और लोगों को वेदी पर लाने का यत्न करते है, और वे ऐसे चले जाते है जैसे वे लगभग मरे हुए हो, आने के लिए भयभीत। और तब सेवको से आकर उनके साथ प्रार्थना करने को कहते है, "ओह, उसने मुझसे क्यू कहा?" और वे वहां जाते हैं, और आप उन्हें नहीं पा सकते। और वे वहां कुछ ही मिनटों के लिए खड़े होते है, आपकी ओर देखते है, और वापस जाकर अपनी कुर्सियों में बैठ जाते है। मेरे हिसाब से, आग बुझ चुकी है! कुछ तो घटित हुआ है। सुनिए! आज हमें जिसकी आवश्यकता है, वो है एक बेदारी, जिसमे पापी मसीह की ओर देखते है, प्राश्चित करते हुए, अपने हाथ उठाए वेदी की ओर दौडकर जाए, अनुग्रह के लिए चिल्लाते हुए, और सारी कलीसिया परमेश्वर की महिमा के साथ आग की एक ज्वाला हो।

76 हमारा उत्साह अपने सम्प्रदायों को बढ़ाने के सुअवसर के लिए लगा है, हमने अपने सेवकों को शिक्षित करने के लिए बड़े–बड़े विद्यालय बनाए हैं, और उन्हें परमेश्वर से और दूर कर दिया है, जैसे वे आरंभ में थे। परमेश्वर शिक्षा से नहीं जाना जाता है। वह धर्म ज्ञान के द्वारा नहीं जाना जाता है। परमेश्वर विश्वास के द्वारा जाना जाता है। आप परमेश्वर की व्याख्या नहीं कर सकते। वो व्याख्या करने से परे है।

77 देखिए इसने क्या किया है, हम पेंटीकोस्टल लोग जो पेंटीकोस्टल हुआ करते थे। हमारी स्त्रियो ने अपने बाल काट लिए, श्रृंगार करना आरम्भ कर दिया। हमारे पुरुष इस बात की अनुमति देते हैं। हमारे सेवक इसकी अनुमति दे रहे हैं। वे इस विषय में कुछ भी कहने से डरते हैं। यदि वे ऐसा करेगे तो कलीसिया उन्हें निकाल देगी। ओह, यदि हम प्रचार मंच से लेकर नीचे तहखाने तक सफाई को नही चाहते है। तो यह लज्ञा की बात है। यह एक अप्म्मान की बात है।

78 अधिक समय नहीं हुआ, कोई व्यक्ति मेरे पास आया, और बोला, "भाई ब्रंहम, लोग आपसे प्रेम करते हैं।" परन्तु कहा, "आप हमेशा उन्हें फटकारते है, उन महिलाओं को फटकारते है, उनके छोटे बालो और इस प्रकार की चीजों को करने के विषय में।"

मैंने कहा, "बाईबल यह कहती है कि यह महिला के लिए ऐसा होना लज्ञा की बात है।"

79 जब वह ऐसा करती है तो वह अपने पति का अपमान करती है। और यह पूरी तरह से इसका एक चिन्ह है कि आप परमेश्वर से अलग हो गए हैं। शिमशोन वाले मामले में, आपको स्मरण होगा, लंबे बाल नाजरीन एक का चिन्ह था कि वह संसार से अलग हो गया था, परमेश्वर के वचन हेतू। और महिलाये जब आप अपने बाल काटती हो, तो आप इन्कार करती हैं कि आपके पास नाजरीन का चिन्ह हैं। बजाये इसके कि बाईबल की ओर वापस जाए आप हॉलीवुड चली गई। बाईबल कहती है, "वे बिना बाल कटाए रहे।" देखिए, यह लज्ञा की बात है, और सेवक इस विषय में कुछ भी नहीं कहते।

80 इस मनुष्य ने मुझसे कहा, "आप क्यों नही उन स्त्रियों को अपने हाल में छोड़ देते है? " कहा, "वे आपका भविष्यव्यक्ता के समान सम्मान करती हैं।"

मैंने कहा, "मैंने कभी भी नहीं कहा कि मैं एक भविष्यव्यक्ता हूं।"

81 कहा कि, "वह आपका उसी प्रकार सम्मान करती हैं। उन्हें सिखाये कि कैसे आत्मिक वरदान प्राप्त करें और कुछ करें। आपको उन्हें बड़ी–बड़ी चीजे सिखानी चाहिए, महान बातें।"

82 मैंने कहा, "मैं उन्हें बीजगणित कैसे सिखा सकता हूं, जब कि उन्होंने अपना क ख ग भी नहीं सीखा, इस विषय में सुन्दर ढंग से कैसे रहे? आप

कैसे यह कर सकते हैं? जी हाँ, पहले बात पर जाये।"

83 वर्ष प्रति वर्ष, समस्त राष्ट्रों में यह समय खराब होता जा रहा है। कहीं तो कुछ गड़बड़ है, यह वचन के साथ नहीं है। कोई आश्चर्य नहीं हमारे पास बेदारी की जलती हुई आग नही हो सकती। हमें इस समय घर को साफ करने की आवश्यकता है। परमेश्वर इसे कभी नहीं करेगा जब तक हम फिर से वापस नहीं आएगे। हमें घर साफ करने के समय की आवश्यकता है।

84 और तुम पुरुषो, तुम अपनी पत्नियों को ऐसी चीजे करने देंते हो, जैसे कि छोटे कपड़े पहनना! वे मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट नही। वे पेंटीकोस्टल है, यह ठीक बात है, "भक्ति का भेष, लौदीकिया कलीसियायी युग, गुनगुने," नाम के पेंटीकोस्टल, बस इतना ही। पेंटीकोस्ट एक नाम नहीं है, यह अनुभव है पवित्र आत्मा के बपतिस्मे का, जो लोगों को साफ़ कर देता है। कोई आश्चर्य नहीं हमारे पास चंगाई की महान सभाये नही हो सकती और आदि–आदि, वहां कही पर कुछ ना कुछ गडबडी हुई है। यह शैतान है, हमें वहां यत्न करते हुए देखा...

85 "ठीक है, हम इस विषय में कुछ भी कहते हैं, तो वे उनकी सदस्यता को बदल लेगे।"

86 स्मरण रखें, आप मसीहो को पालते–पोसते नहीं हैं। मसीही मजबूत होते है। वे परमेश्वर के पुरुष और महिलाए होते हैं, कौन परमेश्वर की ओर खड़ा होता हैं, इससे कोई मतलब नही कि कौन क्या कहता है। आपको उनके पीछे विनंती करने और राजी करने की आवश्यकता नहीं, और उन्हें इत्र लगाने की और आगे पीछे घूमने की आवश्यकता नहीं। वह तो पलने वाले और संकरित पौधे है, वे किसी काम के नही, वे कुछ भी उत्पन्न नहीं करेंगे।

87 मुझे ऐसा ही कुछ स्मरण आता है, जैसे... यह जल्द ही प्रजनन का समय था। आज मैंने एक छोटी चिड़िया को देखा, वहां एक छोटी गौरय्या अपने घोंसले में तिनके लगा रही थी। यह अधिक समय नहीं बीतेगा कि वे अन्डो पर बैठ कर, अपने छोटे से अन्डो में से बच्चे निकालेगी। आप जानते हैं, एक छोटी चिड़िया के पास अन्डो का घोसला होता है, और वह घोसले के अन्डो पर बैठ सकती है, और उन्हें हर कुछ मिनटों बाद घुमाती पलटती है; अपने छोटे–छोटे पैरों से उन्हें घुमाती, और उन पर बैठती है। अब, यदि वह उन अन्डो को एक बार गर्म होने के पश्चात ठंडा होने दे, तो उसमे से

बच्चे नही निकलेंगे। और वह उड़ कर जाती है और थोड़ा सा खाना खाती है, और वापस फिर वही उन पर आ जाती है।

88 और आप जानते हैं, वह बूढ़ी मां चिड़िया, वह उन अन्डो पर बैठ सकती है, और उन्हें हर दो मिनट में घुमाती है, और वह... बलिदान और उपवास तब तक रखती है कि वह बेचारी घोंसले से उठ नहीं पाती। परन्तु, जब तक वो मां चिडियां नर चिड़िया के संपर्क में नहीं आती, उन अंडो से बच्चे नहीं आयेंगे। इससे कोई मतलब नहीं, आप उनकी कितनी देखभाल करते है, उनमे से बच्चे नही निकलेंगे। वे वही घोसले में पड़े रहेंगे और सड़ जायेंगे।

89 और यदि कभी भी पेंटीकोस्ट का समय रहा था कि उन्हें यीशु मसीह से मिलना या एक होना चाहिए था; क्योंकि हम कुछ भी नहीं मिलता है, सिवाये सड़े हुए अन्डो से भरा हुआ घोसला, विश्वास का इन्कार करते हुए और गिर्जो के संघ में जा रहे हैं, और इसे एक महान बात कह रहे है कि पोप के पास बैठे और कहते है कि, "यह आत्मिक है।" तुम पेंटीकोस्टलो लोगों, यह संसार का क्या मामला है? क्या आप जानते है कि बाईबल उन बातो के विषय में बताती है कि ऐसा होगा? और हम चिल्लाते हैं कि मेथोडिस्ट और बैपटिस्ट अन्दर आ रहे हैं, और यह सारी बाते इसी प्रकार से है। क्या आप अनुभव नहीं करते हैं कि जब सोई मूर्ख कुंवारियां तेल खरीदने आयी, उसी घड़ी दुल्हा आ गया? और उन्हें तेल नहीं मिला! आप जानते हैं, कि रेपचर या उठा लिया जाना बहुत ही गुप्त होगा, और इसी किसी समय में जाना होगा कि आप जान ही नहीं पाएगे कि यह हो गया। वह चला जाएगा, और आप सोचते रहेंगे कि क्या हुआ।

90 जैसे कि यूहन्ना धरती पर आया। और उन्होंने उससे कहा, कहा, "ठीक है, बाईबल कहती है, एलिय्याह को पहले ही आना है।" उसने कहा, "वह तो आ भी चुका है, और तुम यह नहीं जानते।"

91 इसी प्रकार किसी दिन होगा वे कहेंगे, "मैं सोचाता हूं कि यह तो महासंकट के काल से पहले होना था। मैंने सोचा रेपचर को जगह लेना था।" शब्द वापस आ सकते हैं, "यह तो पहले ही हो चुका और तुम्हे यह नहीं मालूम।" उह–हुंह। ययह आपके सोचने से भी अधिक देर हो सकती है। ओह, कलीसिया, जाग जाओ! अच्छा होगा कि मैं इसे छोड़ दूं; मैं यहां शिक्षा के लिए नहीं आया हूं, मैंने थोड़ा सोचा मैं इस पर झटका दूंगा ताकि

आप उस ओर हो सके।

92 भाई, स्मरण रखें, शैतान ने यह बड़ी–बड़ी योजनाए देख ली है, एक कलीसिया दूसरे को पछाड़ने का यत्न कर रही है, एक नामधारी दूसरे को गिराने का यत्न कर रही है, सारी अशिक्षा को दूर करके, और उन्हें मनोवैज्ञानिक का परिक्षण देना होगा, मनोवैज्ञानिक ढंग से व्यक्ति की जांच करे, इससे पहले कि बाहर अपने मिशन के कार्यक्षेत्र पर जाए। पेंटीकोस्ट! नहीं, यह—यह—यह प्रेस्बिटेरियन नहीं है, यह पेंटीकोस्ट है। किसी निश्चित पेंटीकोस्टल झुण्ड को मनोवैज्ञानिक जांच की आवश्यकता है, बड़ा झुण्ड, इससे पहले कि मिशनरी कार्यक्षेत्र पर बाहर जाए।

93 क्या हो यदि उनका इस प्रकार का परिक्षण होता था? उनका परिक्षण हुआ। आरंभ में इसका पेंटीकोस्ट परिक्षण हुआ था, जब उन्होंने ऊपर वाली कोठरी में तब तक प्रतिक्षा की जब तक कि आग ऊपर से नही आयी, और परमेश्वर की सामर्थ। यह परिक्षण था।

94 कोई सांसारिक, आधा–नशे में धुत्त मनोवैज्ञानिक नहीं जो वहाँ खड़ा मन को समझाने की कोशिश कर रहा हो, यदि तुम थोड़े भी उत्साहित हैं, या कुछ और, तो कहें, "तुमने कुल मिलाकर अधूरे हो।" जब, यह पूर्णत: सिद्ध करता है कि एक मनुष्य जो कि चरम सीमा तक आत्मिक अधीर है, उसे उस स्थिति में होना है कि उसमें चला जाए। इस प्रकार से आप उसी अवस्था में है, देखिए, और केवल जो परमेश्वर वर्षों से करना चाह रहा था और उसे गड़बड़ कर दिया, और वापस अपनी योजनाओं के साथ आ गए और अपने बड़े...

95 वे उत्साहित है जब वे देखते है कि बहुत सारे लोगों एक साथ इकट्ठे हैं। कहते है, "यदि मैं इन सब को असेंबलिस बना दू! यदि मैं इनको वननेस बना दू! यदि मैं इन सब को मैथोडिस्ट बना लू!" मैथोडिस्ट उन सब को मैथोडिस्ट बनाना चाहते है, बैपटिस्ट सब को बैपटिस्ट बनाना चाहते है, पेंटीकोस्टल, पेंटीकोस्टल बनाना चाहते है! ओह, आप इस विषय में कुछ नहीं कर सकते, परमेश्वर ने उन्हें जगत की उत्पत्ती से पहले नियुक्त किया है। हमें सुसमाचार प्रचार करना है। ऐसा ही है। परन्तु, हमारी बड़ी योजनाए, हम बगैर उस आग के चले गए है। हम चले गए है और अपने आप के लिए घर की आग बना ली, जैसे कि ये थी।

96 और हमारा साम्यवाद, अब हम बहुत डरे हुए हैं, कि साम्यवाद अंदर आ

गया, "यह क्या घटित होने जा रहा है? " परन्तु, आप जानते हैं, साम्यवाद बड़ी चीज नहीं है। मैं आपको बता दूं, मैं साम्यवाद से नहीं डरता।

97 तुम पेंटीकोस्टल लोगो, परन्तु मैं किस से डरता हूं, यह एक्यूमेनिकल काऊसिल आपको अधिकार करने जा रही है। बात यह है। यह पशु का चिन्ह बनाने जा रहे है, और आपको इसमें ही जाना है। क्योंकि आप एक संस्था है, आपको इसमें जाना ही है या बाहर निकलिए। बात यह है, कोई भी अच्छा, समझदार, आत्मिक व्यक्ति यह जानता है। कि हमें एक ओर सागर पर गवाही की आवश्यकता है, अब हम इसे पाते हैं। और हमारे पेंटीकोस्टल, केवल इसे निगल रहे है, काटा, डोर और तिरकुन्ना, "यह कितनी महान चीज होगी!" जब, मेथोडिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन, चर्च ऑफ क्राईस्ट, और पेंटीकोस्टल, उसमे जाने के लिए आपको महान प्रेरितो की शिक्षा का इन्कार करना होगा। उन्हें भी वैसा ही करना होगा। आपको इसमें कुछ नहीं करना होगा। यह सब रोम के साथ एकत्र हो रहे है, बिल्कुल वैसे ही जैसे सिद्ध किया गया है। वचन ऐसा कहता है।

98 इन प्रचारकों के साथ क्या मामला है जो कि लोगो को बिना चेतावनी दिए इन बातो को इस स्थिति में आने दे रहे है? परमेश्वर उन से पूछेगा। ठीक इस कठीनाई के समय में, वे कठीनाई में थे, वे थे। इसमें साम्यवाद नहीं आ रहा है; यह एक्यूमेनिकल काऊंसिल इन सब पर अधिकार जमाने जा रही है। और स्मरण रखिए, जब आप कहते हैं, "यह कब... " ये घटित होता है, तब तक ये बहुत देर हो चुकी होगी। आप पशु का चिन्ह ले चुके होगे। तब आप इससे सम्बन्धित होगे।

99 अच्छा है आप जहां कही है इससे अभी अलग हो जाए, जी हां, श्रीमान, परमेश्वर के राज्य में मोहरबंद हो जाये। मसीह की देह मसीह की रहस्यमयी देह है, पवित्र आत्मा के द्वारा इसमें बपतिस्मा लिया जाता है; इसमें सदस्य नहीं बना जाता, इसमें लिया गया है, इसमें बात की गई, इसमें अन्य भाषा बोली गयी, इसमें चिल्लाया गया। आप इसमें जन्म लेते हैं, पवित्र आत्मा के द्वारा। यह ठीक बात है। निश्चय ही।

100 अब हम यह देखते है कि पीढ़ाए एकदम से आती है। ओह, शैतान ने देखा और कहा, "ओह–हुंह, ये लोग तो क्रोध से हट गए हैं, ये लोग तो केवल ऊपर–नीचे कूद रहे हैं, चिल्ला रहे हैं, एक अच्छा समय बीता रहे हैं। आप समझे क्या, ठीक अभी मेरा समय है कि इन्हें डुबा दूं। मैं अब इनके

साथ हो जाऊंगा।"

101 इसलिए वह पहाड़ के पीछे से उठा और अपनी विशैली फूंक मारने लगा, फूह: "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए। मैं समझता हूं कि अंतत: यह लोग परेशान हैं। मैं सोचता हूं कि इनकी एक—एक—एक बुद्धि की परीक्षा होनी चाहिए, इससे पहले कि यह विदेशी कार्य क्षेत्रों को ले।" पेंटीकोस्टलो! उह–हुंह। देखिए उसकी विशैली श्वास वचन को मार रही है, "ओह, मैं सोचता हूं कि यह कुछ और है, मैं—मैं इसे विश्वास करता हूं... " देखिए, जैसे नामधारी कलीसियाओ ने किया वैसे ही सीधे पीछे की ओर जा रहे है, वे ठीक इसी मार्ग पर चल रहे है। वे चलेगे, यह इसे मार देगा। जिस घड़ी आप इसे संस्थागत करते हैं, यह इसे मार देता है। सदा यही हुआ है। सदा यही होगा। वह फिर से कभी नहीं उठेगे। इतिहास में ऐसा नहीं देखा गया। इस लौदीकिया काल में—में, मसीह कलीसिया के बाहर था, खटखटा रहा है, अंदर आने का यत्न कर रहा है। और वे इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। वे इसे सुन नही सकते। अब हम पाते हैं, जिस घड़ी में हम रह रहे हैं, कठीनाई अन्दर आ गई है।

102 और तब हम देखना आरंभ करते हैं, कि आश्चर्यकर्म अब और नहीं हो रहे हैं, जैसा कि वे पहले थे। बीमार लोग, बीमार ही वापस घर जाते हैं। यह परमेश्वर के कारण नहीं है। यह लोगों के बीच बेदारी की कमी के कारण है। कोई बेदारी नहीं है। वे—वे बैठकर सुनते हैं; घर जाते है, कहते है, "भाई, मेरा अनुमान में यह बहुत अच्छा था। हूं–हुंह।" देखिए, वहां वह उत्साह नहीं है। वहां लोगों में वह चीज नहीं है, जो वहां होनी चाहिए।

103 मुझे स्मरण है यहां अरकंसास में, पंद्रह वर्ष पहले जब मेरी छोटी सी सभा वहां जोन्सबोरो में हुई थी, जब लगभग चालीस हजार लोग इसमें उपस्थित होने का यत्न कर रहे थे, नगर में लगभग पंद्रह हजार लोग सभा में आए। और वे कपास के ट्रको के नीचे सोए और सब कुछ और अपने बीमार बालको के ऊपर कागज को पकड़े रहे, केवल भीतर आने के लिए। वे अपने स्थानों में बैठ गए और दिन और रात, वहां से नहीं हटे, और उनके प्रियजन उनके लिए हैमबर्गर लेने गए और एक—एक पेय की बोतल; और सारे–सारे दिन वही डटे रहे, दिन आया और गया। उनके हृदय अग्नी में जल रहे थे। केवल परमेश्वर ने एक छोटा सा कार्य किया, उनमें आग लग गयी। और उनमें से सैकड़ों अंदर आए।

104 आज रात्री वह अब भी वही परमेश्वर है, जो कि अब से पंद्रह वर्ष पहले था। आज रात्री वह वही परमेश्वर है, जो कि वह था जब उसने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया था।

105 परंतु यह क्या है? हम में पूरा उत्साह था और अपनी संस्थाओ को बनाना चाहते थे, और *यह*, और *यह* बनाना चाहते थे, कुछ तो बड़ा और दिखावटी जो जोनसस के मुकाबले पर हो, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट के, प्रेस्बिटेरियन के। आप उनमें से नहीं है। नहीं, आप नहीं है। वे नामधारी लोग हैं, जो कि ठीक है, उनके विरोध में कुछ नहीं। उनमें बहुत से अच्छे मसीही है, परन्तु अपने आपको अविश्वास करने वाले लोगो के झुण्ड के साथ सम्बन्ध नहीं रखना चाहिए। "लोग जो उसकी सामर्थ का इन्कार करते हैं," आप उनका पक्ष ना ले।

106 आप जानते हैं, इसकी परेशानी यह है, कि आप कलीसिया में हॉलीवुड लाना चाहते हैं। जिस चीज को आपको करने की कोशिश करनी चाहिए वह है हॉलीवुड को कलीसिया से बाहर करना। देखा? आप अपने भवन को सुंदर बनाने का यत्न कर रहे हैं, आप अपने नामधारी कलीसिया को इतना बड़ा बनाना चाहते है, कि जब तक वह लोगों का ध्यान आकर्षित ना कर ले। हम उनकी ओर नहीं जाना चाहते। हम उन्हें अपनी ओर करना चाहते है। हर चीज दिखावटी, स्मरण रखें, हॉलीवुड संसारिकता के साथ चमकता है, जबकि सुसमाचार नम्रता में दमकता है। चमकने और दमकने में बहुत ही भिन्नता है। सुसमाचार नम्रता में दमकता है, और दीनता, नम्रतापूर्वक और सामर्थ में है। जबकि, हॉलीवुड चमकता है, और हर कोई शोर और हल्ला मचा रहा है, और उसमे जा रहा है। देखा? हमें उसकी आवश्यकता नहीं है।

107 हम ऐसी ज्योति जीना चाहते हैं। उसने कहा, "तुम पृथ्वी के नमक हो।" "यदि नमक अपना स्वाद खो दे," यह उसकी सामर्थ सुसमाचार में है। हमारी कलीसियाओ में कुछ तो हलचल होनी चाहिए, ताकि मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, और वे सब, यहां आने की इच्छा करे। हमें नमकीन होना चाहिए! नमक प्यास को जगाता है, प्यास को बनाता है। नमक नमकीन है, यदि यह संपर्क में आता है। इसे संपर्क में आना है।

108 और हम पाते हैं, कि हमारा बड़ा आवेश मेथोडिस्ट और बैपटिस्ट के साथ तुलना करने के यत्न में हैं, उनकी बड़ी–बड़ी इमारतों और बड़े–बड़े

स्थानों, और अच्छे शिक्षित लोग, और बड़े विद्यालय और बड़े कॉलेज, और हर चीज इसी प्रकार की। हम आवेश में आ गए हैं, और परेशानी अन्दर आ गई है।

109 और पवित्र वचन वाला मस्तिष्क यहाँ–वहां देखता है और कहता है, "यहाँ, एक मिनट रुको, यहाँ क्या हम सब उस एक्यूमेनिकल काऊंसिल में जा रहे है? क्या हमारे सारे झुण्ड इसमें जा रहे है? " निश्चय ही, आप जा रहे हैं। यही बिल्कुल ठीक बात है। आप ध्यान दे और देखें यदि हम नहीं जा रहे हैं। बाईबल कहती है तुम जाओगे शत प्रतिशत, और मसीह बाहर होगा। चांद ने स्वयं को काला कर लिया इससे पहले कि पोप (रोम जाने वाला पहला व्यक्ति), उस रात्री को, आपको आकाश में चिन्ह दिखाया। बिना पहले से बताए, यह हुआ। कैसे प्रभु इन दिनों में शानदार कार्य कर रहा है, अद्भुत!

110 अब अंधकार की इस महान घडी में, जब वे वहां थे, तो हवा आयी। जीने की सारी आशा जाती रही थी। यदि आपकी नामधारी कलीसिया एक्यूमेनिकल काऊंसिल में जाती है तो आप क्या करने जा रहे है? उन सब हमारी बड़ी–बड़ी चीजों का क्या होने जा रहा है, जो हमने यहां इस पृथ्वी पर बनाई है, अंतिम आशा समाप्त हो गई है?

111 परन्तु आप जानते हैं, जैसे ही वे चिल्लाने को थे, और सारी आशाये जा चुकी थी, वे बच नहीं सकते थे; और यकायक, उन्होंने उसे पानी पर चलकर आते हुए देखा। अंधकार की घड़ी में, वह चलता हुआ आया।

112 आप जानते हैं क्या था? जब उसने उन्हें छोड़ा, वह जानता था कि यह घटित होने जा रहा है, इसलिए वह सबसे ऊंचे पहाड़ पर चढ़ गया जो कि उस स्थान में था। जितना आप ऊंचे पर जायेंगे उतना ही आगे का आप देखेगे। आप जानते है, वह ऊपर चढ़ गया ताकि वह उन पर दृष्टी रख सके।

113 और वह जानता था कि यह आ रहा है। उसने इस दिन के लिए यहाँ होने के लिए भविष्यवाणी की है। "जैसा सदोम के दिनों में था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा, जब मनुष्य का पुत्र प्रगट हो रहा था।" तब, उस पुत्र को प्रगट होना था। यह दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी चिन्ह को ढूंढेगी। इसका एक चिन्ह होगा। यह इसे ऐसे ही अस्वीकार करेगी जैसा उन्होंने तब किया था, परन्तु यह पुनरुत्थान का चिन्ह होगा। वह अब भी

जीवित है, वैसा ही कर रहा है जैसे पहले किया।

114 इस महान घड़ी में, हम पाते हैं, वे सारे चेले निराशा में थे, वह ऊंचे पर चढ़ा, ताकि उन पर दृष्टी रख सके। वह वहां एक पहाड़ पर बैठा हुआ था, उन्हें देख रहा था।

115 और अब इस बार वह पहाड़ पर नहीं चढ़ा, परन्तु वह कब्र में से उठा, और हवा में से उठता हुआ, चांद, सितारों के पार, जब तक वह इतना ऊँचा नही चढ़ गया इतना तक कि नीचे झुक कर स्वर्ग को देखना पड़ता है। और वहां वह ऊंचे पर बैठा है। अब उसकी आंख गौरय्या पर है, और मैं जानता हूं कि वह हमें देख रहा है। वह देख रहा है।

116 और ठीक यहाँ अंधकार की घडी में, जब कि सब कलीसियाये बड़ी–बड़ी योजनाओ के अंदर चली गयी है, और उनके पास *यह* और *वह* योजनाए है, बाकी कलीसियाओ की तरह योजनाबद्ध कर दिया है, वे नामधारी कलीसियाये। और क्या घटित हुआ? इस अंधकार की घड़ी में, जब कि वास्तविक आत्मा से भरे हुए लोग आश्चर्य चकित हैं कि, "क्या घटित होने जा रहा है? मेरे बालको को देखो!" पुरुष कहता है, "मेरी पत्नी को देखो! *इसे* देखो!"

117 और वे रविवार, या बुधवार रात्री की प्रार्थना सभा जल्दी छोड़ देते है, ताकि वह जाकर "*लूसी हम तुम से प्रेम करते है* देख सके या ऐसा ही कुछ टेलीविजन पर। "परमेश्वर के प्रेम से अधिक संसार के प्रेमी।" उनके सामान हाव भाव।

118 उस दिन मैंने एक महिला को बताया, उसने अपने कपड़े इतने तंग पहन रखे थे। मैंने कहा, "बहन, यह कपड़े बहुत तंग है। मुझे आपको यह बताना अच्छा नही लगता, परन्तु यह ऐसा ही है। आप एक मसीही है, और आप ठोकर का कारण बनेगी।"

119 उसने कहा, "देखिए, भाई ब्रंहम, क्या आपको मालूम हैं?" उसने कहा, "वे इसी प्रकार के कपड़े बनाते हैं।"

120 मैंने कहा, "वे अब भी सामान बेचते हैं, और उनके पास सिलाई की मशीनें हैं। कोई बहाना नहीं है।" जी हां।

121 सुनिए, मेरे प्रिय मित्र मैं आपको कुछ बता दू। आपको लेकर नहीं। नहीं, श्रीमान। मैं आपको यात्ना की स्थिति से बाहर रखना चाहता हूं। जब तक

वह आत्मा आप पर है, आप ऐसा करेंगे। यह ठीक बात है। आपको इससे बाहर जन्म लेना है। इस टिप्पणी पर आप स्वयं ही चुनाव कर सकते हैं, परन्तु मैं आपको कुछ बता दूं, देखिए, "वहां आपका ह्रदय होया है, जहां पर आपका खजाना भी है।"

122 मैं आपको बता दूं। हो सकता है आप अपने पति के लिए लिली के फुल के समान निर्मल हो, और हो सकता है आप एक लिली के समान शुद्ध हो, युवा लड़की, अपने लड़के मित्र के लिए, परन्तु एक दिन परमेश्वर व्यभिचार करने के लिए आप से प्रश्न करेगा। जब आप इस प्रकार के वस्त्र पहनती हैं तो आप दोषी ठहरती हैं। यीशु ने कहा, "जो कोई भी किसी स्त्री पर कुदृष्टि डाले, वह उसके साथ अपने ह्रदय में व्यभिचार कर चुका।" और जब उस पुरुष को उत्तर देना होगा, उस पापी को, आपको देख कर, व्यभिचार करने के लिए, किसने स्वयं को उसके सामने उपस्थित किया? इस पर सोचो। तुम पेंटीकोस्टल स्त्रियो, आपके लिए लज्ञा की बात है! समझे? आपके लिए लज्ञा की बात है!

123 मैं आपसे प्रेम करता हूं, इसी कारण मैं यह कह रहा हूं। प्रेम सुधारात्मक होता है।

124 हम एक बड़े बदमिजाजी पर हैं, एक बड़े परिधान की बदमिजाजी। यह तो बस संसार के चलन के समान है। उसने कहा, "संसार और उसकी वस्तुओं से प्रेम ना रखो; यदि तुम करते हो, तो परमेश्वर का प्रेम तुम में है ही नहीं," मैं इसकी परवाह नहीं करता कि आप कितना अन्य भाषा में बोलते हैं, ऊपर, नीचे कूदते हैं, नाचते, बाल कटाते, इस प्रकार के परिधान पहनते हैं। आप पुरुष लोग इसकी अनुमति देते हो। आपके अपने फल बताते हैं कि आप कहां हो। यह बिल्कुल ठीक बात है। कोई आश्चर्य नहीं कि हम इस प्रकार की उथल पुथल में हैं जैसा कि हैं, साम्यवाद की हवाओं में, गिर्जेवाद की हवाये, एक्यूमेनिकल संस्था की हवाये!

125 यह एक—यह एक जुड़ने का समय है, एक होने का समय है। यूनियनें मजदूरों को जोड़ रही हैं, इस विषय में विवाद कर रही हैं। राष्ट्रों के पास वो—वो राष्ट्र मंडल है, वे जुड़ रहे हैं। गिर्जे या कलीसियाये आपस में एक साथ जुड़ रहे है। यह सब क्या दर्शा रहा है? यह दर्शा रहा है कि मसीह और दुल्हन का जुड़ना तय है। यह यही बोल रहा है। इन सब बातो की परछायियां दर्शा रही है मूल आ रहा है। अब ध्यान दे जैसे कि हम बंद करते

हैं, क्योंकि मुझे बहुत देर हो रही है।

126 और अब ध्यान दें, इस महान घड़ी में जब जीवित रहने की सारी आशाए समाप्त हो चुकी थी, उन्होंने देखा कोई तो आ रहा है, पानी पर चलता हुआ, पास आ रहा है। और वह बात, उसका दु:खद भाग, ध्यान से सुने, केवल एक चीज जो उनकी सहायता कर सकती थी, वे डरे हुए थे। उन्होंने कहा, "यह भूत दिखाई पड़ता है। आप जानते है, यह हो सकता है, एक एक आत्मा हो।"

127 क्या यह फिर से घटित नहीं हुआ! वे इससे डर गए। वे भविष्य बताने वाले से डर गए, वे किसी प्रकार की शैतानी शक्ति से डर गए; जब यीशु ने कहा यह इस दिन में घटित होगा। केवल एक चीज जो उनकी सहायता कर सकती थी, वह यीशु मसीह था। कोई दूसरी नामधारी कलीसिया नही, वे सारे के सारे नही एक साथ जुड़ रहे हैं; यही है जो इसे पहले से भी और खराब करने जा रहा है। केवल एक ही चीज आपकी सहायता कर सकती है वह है यीशु मसीह।

128 जब उसने अन्तिम दिनों में आने की प्रतिज्ञा की, इस रूप में, और यह करता है, प्रतिज्ञा करता है (जैसे कि प्रतिज्ञा किया हुआ पुत्र अब्राहम के पास लौटा, पहला बीज) अब्राहम का शाही बीज, यीशु होगा... कहा उसी चीज को देखेगा। प्रतिज्ञा किए हुए पुत्र से पहले, परमेश्वर स्वयं को देह में प्रगट करेगा और वैसे ही करेगा जैसा यीशु ने किया, जैसा कि उसने कहा कि वह करेगा, जैसा कि अन्तिम दिनों में करने के लिए कहा गया। और यहाँ वे सारी प्रतिज्ञाये, जिन्हें दर्जनों की संख्या में वहां रख सकते है, ठीक यहाँ आपके सामने, जो कि यह घटित होने है।

129 और वे कलीसियाये, जिन्हें इसे स्वीकार करने के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए था, "मैं इससे थोडा सा डरता हूं। वे हमारे झुण्ड से संबंधित नहीं है, देखा।" और वे इससे भयभीत हैं। केवल एक चीज उन्हें मसीह के पास ला सकती है, वह स्वयं मसीह है, और वे इससे डरते हैं कि यह डरावना है। "ओह, मैं नहीं जानता। वह आत्मा सम्बधिंत हो सकता है, आप समझे। और मैं इसके विषय में नहीं जानता।" भयभीत होना ही केवल एक चीज थी जो कि उनकी सहायता कर सकता है।

130 और निराशा के इस अन्धकार की घड़ी में, वे चुनी हुई कलीसिया, वह झुण्ड जो यहां पर उपस्थित है, डरता है कि यह भूत सम्बधित हो सकता

है, वे इसके साथ कोई मतलब नहीं रखना चाहते है। तब वह मीठी आवाज आती है, "डरो मत। यह मैं हूं।"

131 वह वचन है, क्या वह नहीं है? वह वचन होने के लिए कभी नहीं बदलता। अब क्या आप वचन को यह कहते हुए नहीं सुन सकते, "वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। भयभीत ना हो; यह मैं हूं"?

आइये हम अपने सिरों को झुकाये।

132 स्वर्गीय पिता, वो—वो सांझ गर्म है। घडीयां अंधकारमय है, किस प्रकार आग वेदी पर से चली गई। आप खेत में से चुन रहे हैं। आपने कहा, "वो राज्य उस मनुष्य के समान है जो जाल ले कर समुद्र पर गया, और उसमे डाला, और जब उसने उसे बाहर खीचा। राज्य इसी प्रकार से था।" प्रभु परमेश्वर, किसी दिन अंतिम मछली जो पानी में है! आपने कहा, "उन्होंने सब प्रकार के ले लिए।" वह सुसमाचार का जाल सब जाति के पकड़ता है; वह कछुआ पकड़ता है, बदबू वाली मछली, केकड़े, सांप, कूड़ा–करकट खाने वाली मछली। हम नहीं जानते कि वह क्या पकड़ता है, परन्तु वहां कुछ मछली है जिसके पीछे आप गये थे। आप ही वो एक है जो न्यायी है। परन्तु हम अनुभव करते हैं, जल्द ही कछुआ, बदबू वाली मछली, और सब, वापस कीचड़ में चले जाएगे, वापस पानी में। परन्तु किसी दिन वह अंतिम मछली जो कि अभिषिक्त और पहले से ठहराई हुई है उसको अन्दर आना है, देह का वह अंतिम भाग, झील में से खींचकर निकाल लिया जाएगा।

133 आपने लूथर के दिनों में जाल को फेंका, वैसली, एलेक्जेंडर कैंपबेल, जॉन स्मिथ, केल्विन, नॉक्स, फिन्नी, सेंकी और आदि–आदि के के दिनों में; पेंटीकोस्टल युग में, एफ एफ बोसवर्थ और फ्रोचमैन उन महान लोगो के दिनों में जाल फेंका। आपने बिली संडे के दिनों में, जालो को फैका, उन युगों में से होते हुए।

134 और अब आप अब भी समुंद्र को छान रहे है। क्या उनमें से कोई एक आज रात्री यहां बैठा हुआ है, प्रभु? यदि है, होने दे कि वे कुयें पर की उस छोटी महिला के समान हो। यहां तक कि अपने व्यभिचार की दशा में, वह फिर भी पहचानती थी कि आप मसीहा थे। उसने वह चिन्ह देखा। वह वही था। उसने कहा, "मुझे प्रतीत होता है कि तू एक भविष्यव्यक्ता है।" उसका कोई विचार नही था कि वह मसीहा हो सकता है। उसने कहा, "हम मसीहा

की राह देख रहे हैं," दूसरे शब्दों में। "हम जानते हैं कि जब मसीह आएगा, वह हमें यह सारी बाते बता देगा।" और आपने कहा, "मैं वही हूं।" वह यही था।

135 अब, आज रात्री, प्रभु, वे यह देखें कि, "यह मैं हूं; डरो मत। यह मेरी प्रतिज्ञा है।" रोगियों को चंगा करे, प्रभु, खोए हुओ को बचाये, खाली को भर दे।

136 होने दे कि आज रात्री जब हम यहाँ से जाये, और अपने ह्रदय में कहे, उनके समान जो अम्माऊस से आए थे, "तो क्या हमारे ह्रदयो में उत्तेजना ना हुई जब आज रात्री उसने भवन में हमारे लिए सेवकाई को किया, उसकी दिव्य उपस्थिति में!" उन्होंने कैसे जाना कि यह आप थे, उन्होंने आपको भीतर आने के लिए निमन्त्रण दिया और उनकी आंखें खुल गई। होने दे कि हम में से प्रत्येक आज रात्री, आपको निमन्त्रण दे। यदि हम इसे नहीं समझते हैं, तो हम आपको भीतर आने के लिए निमन्त्रण दे, जैसे भी हो। केवल यही मात्र एक तरीका है कि आप स्वयं को प्रगट कर सकते है।

137 और हमने ध्यान दिया कि जिस तरह से आपने स्वयं को पुनरुत्थान के पश्चात प्रगट किया, आपने कुछ वैसा ही उसी प्रकार से किया, जो आपने क्रूस पर चढ़ने से पहले किया था। अब आज रात्री प्रभु आए, आपने कहा कि आप "कल, आज और सर्वदा एक से है।" हमारे लिए फिर से करें, जैसा कि आपने अपनी देह में रहने के दिनों में किया, जब यहां धरती पर खड़े थे। हम उन लोगो के समान हल्के ह्रदय के साथ घर जायेंगे। यीशु के नाम में हम प्रार्थना करते हैं। आमीन।

138 अब आज रात्री सभा में, मैं जानता हूं कि बहुत ही ज्यादा गर्मी है, और बाहर निकलने के हमारे पास बीस मिनट और हैं। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] मैं हूं...

139 मैं जो करता हूं मैं उसे रोक नही सकता या बंद नही कर सकता। मैं किसी चीज के द्वारा उभारा जा रहा हूं, मेरे सारे जीवन में मैं सदा ऐसे ही रहा है, और यह सदा सही रहा है। इसने मुझे कभी कुछ नहीं बताया केवल वही जो बाईबल में था। मैं इसे नहीं रोक सकता। मैं इस विषय में कुछ नहीं कर सकता। जो कुछ भी हो, यह करता है। और मुझे निश्चित है, यदि मैं आज्ञाकारी हूं, तो वहां कोई तो है जिसे इसकी आवश्यकता है। और मैं आज्ञाकारी बना रहूंगा। और उस दिन, मैं उस महान पौलुस के समान होना

चाहता हूं संत पौलुस ने कहा, "मैं किसी मनुष्य के लहू का दोषी नहीं।" हूंह–उह। मैं—मैं आपको सत्य बता देना चाहता हूं। ना कि जैसा कि मैं... मैं आपसे प्रेम करता हूं।

140 और यदि आपके पास एक छोटा लड़का हो... महिला मैं इसके लिए सोचता हूं, आप जिन्हें मैंने कुछ क्षण पहले फटकारा था, आप बहने आप जिनके कटे हुए बाल है और आदि–आदि बाते। यदि मैं... यदि आपका कोई छोटा लड़का सड़क पर बैठा हो, और आप कहें, "प्रिय जूनियर, अच्छा है कि तुम अंदर आ जाओ, प्रिय। हो सकता है, मैं नहीं जानती, हो सकता है वह तुम्हारे पास से अपना वाहन चला कर ले जाए।" तो आप उस बालक से प्रेम नहीं करते। यह ठीक बात है। आप वहां बाहर जाकर और उसे झकझोडेगे, या उसे भीतर आने के लिए मजबूर करेंगी। यह ठीक बात है। आप उससे प्रेम करती हैं।

141 सुसमाचार इसी तरह से है। परमेश्वर आपसे प्रेम करता है। "और वे जिन्हें वह प्रेम करता है, प्रत्येक उस बालक को जो उसके पास आता है, वह ताड़ना देता और डांटता है।" यदि आप ताड़ना को सहन नही कर सकते हैं, आप चले जाते हैं और इस विषय में क्रोधित होते हैं, तो आप अवैध संतान है, आप परमेश्वर की संतान नहीं है। इसलिए स्मरण रखें, यह केवल पवित्र वचन है।

142 अब उसका एक शब्द, एक शब्द, मेरे कहने से कहीं अधिक, लाखों गुना जीवन का महत्व होगा। यह वही है। हम उसकी प्रतिज्ञा जानते हैं। हम जानते हैं उसने क्या करने के लिए प्रतिज्ञा की है। अब मैं नहीं जानता कि वह... क्या... हम वहां से...

143 क्या उसने प्रार्थना पत्र फिर से बांटे है? क्या आपने आज पत्र बांटे हैं? यह क्या था? जे, तो ठीक है। ठीक है, समय बचाने के लिए, आइये अब हम नंबर एक से आरंभ करें। अब, वे लगभग पूरे भवन में हैं। जे, नंबर एक।

144 और अब हमारे पास कुछ बिखरे हुए है। एक बार हमने यहां आरंभ किया, *इस* वाले से, बाद में, कुछ पीछे से और इधर–उधर से, परन्तु हमने उन्हें सब में मिला दिया हैं। परन्तु वे लोग जो यहां प्रति दिन आते है, उन्हे अवसर है कि पंक्ति में आए। इसका यह अर्थ नहीं है क्योंकि आप यहां...

145 इस सभा में कितने जानते हैं, यहां पर लगभग दुगने लोग सभा में चंगे

हुए हैं, जितने कि यहाँ ऊपर मंच पर चंगे हुए? निश्चय ही, आप यह जानते हैं। देखिए, प्रार्थना पत्र तो केवल लोगों यहाँ बुलाने के लिए है, पवित्र आत्मा उनके बीच में आए, क्योंकि ऐसा करने के लिए आप आदि हैं। ठीक अभी यहाँ तक हमें इसकी आवश्यकता भी नहीं है। हम प्रार्थना कार्डों को छोड़ सकते हैं।

146 जैसा कि हमने गत रात्री किया, गत रात्री हमारे पास प्रार्थना पत्र नहीं थे। पवित्र आत्मा उनके बीच गया, उनके पास प्रार्थना पत्र नहीं था। और मैंने बहुत सी चीजें देखीं, मैंने उनके विषय में कुछ नहीं कहा, क्योंकि मैं नहीं जान पाया कि यह ऐसे ही थी या नहीं। अंधेरा उनके ऊपर अभी भी था, और मैंने बस उसे छोड़ दिया। मुझे नहीं मालूम था। उन्हें बुलाने का कोई लाभ नहीं था। जो कुछ भी वह कहता है वो सही होता है, इसलिए सुनिए कि वह क्या कहता है।

147 अब आपने क्या बताया कि वह जे था? जे, नंबर एक? जे, नंबर एक। किसके पास यह प्रार्थना पत्र है? अपने हाथ उठाये। पुत्र, तुम गलती कर रहे हो; कोई और... ओह, मुझे खेद है। ओह, वहां पीछे दीवार के साथ। महिला, आप यहां आ जाए। वे—वे अभी इन कार्डों को वहां लाते हैं, वो लड़का, भाई बॉर्डर्स या बिली, बिली, कोई एक, या कभी–कभी दोनों, उन प्रार्थना पत्रों को लोगो के सामने मिला देते हैं, और तब आपको कार्ड देते हैं, जो भी आप चाहते हैं। हम नहीं जानते, वह तो केवल... *इसे* पांच नंबर मिल सकता है, और *उसे* सात नंबर मिल सकता है, *इसे* पन्द्रह मिल सकता है, और *उसे* पच्चानवे, और हम नहीं जानते। और तब, जब मैं आता हूं, जहां से बस मेरे हृदय में आता है, मैं वही से पुकारता हूं, इससे कोई मतलब नहीं कि यह कहां है। मैं बस... यदि मैं कहता हूं... कभी–कभी मैं गिनता हूं कि एक पंक्ति में कितने है, एक–एक पंक्ति में बांट देता हूं और उत्तर पाता हूं। समझे? और तब, यदि मैं नहीं करता, क्यों, मैं केवल... जो कुछ भी मेरे मन में पहले आता है, मैं उसे बुलाता हूं।

148 नंबर एक। जे, नंबर दो। नंबर दो, नंबर तीन, नंबर चार, नंबर पांच, नंबर छह, सात, आठ, नौ, दस, देखिए उन्हें आने दीजिए, देखिए। एक, दो, तीन, चार, पांच, छह, सात, आठ, नौ, दस। यह अच्छा है। इसी प्रकार से, आए... रुकिए, एक दूसरी ओर चला गया। मैं था... एक, दो, तीन, चार, पांच, छह, सात, आठ, नौ। यह ठीक है। अब, यहाँ, यहाँ यह

दस है। तो ठीक है।

149 ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पंद्रह। यह पांच और है। एक, दो, तीन, चार, पांच। ठीक है, यह ठीक है।

150 सोलह, सत्रह, अठारह, उन्नीस, बीस। एक, दो, तीन, चार। मैं केवल चार को देखता हूं। बीस, क्या बीस ने उत्तर दिया? तो ठीक है। अब, हम नही चाहते कि बहुत सारे एकसाथ खड़े हो जाए। अब यदि हम इनमें से होकर लेते है, और यह काफी है, हम कुछ और लोगो को भी लेगे। हम नहीं बुलाते... हो सकता है हम...

151 थोड़े से और के लिए भी कोशिश करें। पांच और के लिए कोशिश करें। इक्कीस से पच्चीस तक, जे में, यदि आप चाहें तो उन्हें खड़े होने दें। इक्कीस से पच्चीस तक। एक, दो, तीन, पीछे वहां पीछे, चार। एक, दो, तीन, चार, यह पांच है। ठीक है, अब हम बस यही रुके। अब पंक्ति में पच्चीस है, और इन्होने—इन्होने यहां पंक्ति बना ली है।

152 अब मैं आपसे एक सहयोग चाहता हूं। क्या आप मेरी ओर अपना पूरा ध्यान देगे पूरा का पूरा... परमेश्वर की ओर अपना पूरा का पूरा ध्यान लगाये, अगले पंद्रह, सोलह मिनटो के लिए। क्या आप ऐसा करेंगे? और क्या आप ऐसा करेंगे, अपना पूर्ण हृदय खोलें? अब स्मरण रखिए मैंने क्या कहा है। इसे अपनी कानो पर से ना निकलने दे, जैसे की बत्तख की पीठ पर पानी डालना, जैसे कि पुरानी कहावत है। ऐसा ना करे। इस पर विचार करें।

153 यदि मैं आपको कोई ऐसी बात बताऊं जो वचनानुसार ना हो, और इस घड़ी के लिए प्रतिज्ञा, तो आपका कर्तव्य है कि आकर प्रबंधक से मिलकर उसे इस विषय में बताएं। यह ठीक बात है। मैं—मैं वचन को छोड़ और कुछ नहीं सिखाता। और यदि मैं वचन के साथ बना रहता हूं, और यदि मैं कहता हूं कि यह इस प्रकार से है और परमेश्वर... यह बाईबल में है। यदि प्रभु का दूत मुझे कुछ ऐसा बताता है जो बाईबल में नहीं है, तो यह परमेश्वर का दूत नहीं है। यह ठीक बात है। उसने एक बार भी ऐसा कुछ नहीं बताया, जो वचन में ना हो, और आप मेरे गवाह है। उसने कभी भी सेकड़ो, हजारों हजार बार, और संसार की भाषाओं में से कभी ऐसा कुछ भी नही बताया, उसने कभी एक बार भी कोई गलत बात नही बताई या कोई ऐसी बात नही कही जो घटित नहीं हुयी।

154 सुनिए। प्रबंधक और उनसे पूछें। वे यहां पर है यह जो कुछ आप जो यहां देखते हैं, यह उसका छोटा सा रूप है। क्या यह ठीक है, भाइयों? [भाई कहते हैं, "ठीक है।"—सम्पा।] क्यों, वहाँ बाहर, और अन्दर निजी जीवन में, जहाँ वह कहता है, "*इस* स्थान में जाओ, और *इसे* देखो। और *यह* घटित होगा। और *यहाँ* पर यह कहो, *यहाँ* नीचे।" यह निरंतर सारे समय वर्ष दर वर्ष होता आया है। लोग जो इस सभा में है केवल यह—यह छोटी–छोटी चीजे देखते हैं। परन्तु यदि आप आदरपूर्वक रहेगे।

155 अब यहां इस प्रार्थना पंक्ति में जितने खड़े है, मेरे लिए अपरिचित है? यदि आप है तो अपने हाथ उठाएं। ठीक है। कितने यहां पर ऐसे है, जो जानते है कि मैं उनके विषय में कुछ नहीं जानता? अपने हाथ उठाये। अब जबकि... धन्यवाद। मैं चिन्ता नहीं करता कि आप कहां हैं, यदि आप बालकनी में हैं, पीछे दीवार के सहारे खड़े है, *यहाँ* से होते हुए, आप जहाँ भी हों। मैं करने जा रहा हूं...

156 अब, यह आपकी भलाई के लिए है। यह आपके लाभ के लिए है। देखिए, यह आपके लाभ के लिए है।

157 मैंने सोचा कि यह मेरा छोटा पोता मुझ से बात कर रहा है, परन्तु ये वह नहीं था। आज रात्री मेरा छोटा पोता यही कहीं पर है, वह इतना ही बड़ा है, और मैंने सोचा यह छोटा पॉल था। वह सदा यही कहता है कि वह मंच पर आकर खड़ा होकर, मेरे लिए प्रचार करेगा, और अभी वह दो वर्ष का पूरा नहीं हुआ है। मैं सोचता हूं वह छोटा लड़का अपनी मां को ढूढ़ रहा है।

158 इसलिए स्मरण रखें, मैं आपकी सहायता करने का यत्न कर रहा हूं। मैं... परमेश्वर यह जानता है। कि मैं आपकी सहायता करने का यत्न कर रहा हूं, देखिये। अब देखिए, मैं चाहता हूं कि आप लाभ उठाए, यदि वह हमारे बीच में आता है।

159 अब उस व्यक्ति यीशु मसीह के विषय में सोचे जो शरीर में कार्य कर रहा है, जैसा कि उसने अन्त में करने की प्रतिज्ञा की है। कितने जानते हैं कि उसने यह प्रतिज्ञा की है? वैसे ही जैसे नीचे वहां सादोम में था, जब उस दूत ने अपनी पीठ घुमाई, और... वह परमेश्वर था। क्या आप विश्वास करते हैं कि वह परमेश्वर था? कितने विश्वास करते हैं कि वह परमेश्वर था? ["आमीन।"] निश्चय ही, वह था। बाईबल कहती है वो था। और

वह, यीशु ने इसका उल्लेख किया है। अब ध्यान दें।

160 अब आप वहां जो बिना प्रार्थना पत्र के है, मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए कुछ करें, चाहे जहां भी आप हो। अब स्मरण रखें, यह बातें, ध्यान दें, यह आपको बताती है कि आप चंगे हो गए हैं, या जो मैं आपको करने के लिए बताता हूं। ध्यान दे यह क्या कहता है। यदि यह केवल आपको बताता है, कि अपना विश्वास बनाए। और फिर जब आपका विश्वास उस बिन्दू तक आ जाता है, तो आप बढ़ कर और परमेश्वर को स्वीकार करे। यह मैं नहीं हूं, क्योंकि स्वर्गीय पिता यह जानता है।

161 मैं यहां पर यह पंक्ति देखता हूं, मैं एक भी व्यक्ति अपनी जान पहचान का नहीं देख रहा हूं। मैं नहीं देख सकता, परन्तु लगभग दो या तीन लोग सारी सभा के लोगो में, जिनको मैं जानता हूं। इस समय मैं नहीं जानता, मैं कह सकता हूं, एक दिखाई पड़ता है। मैं उस एडमंड वे को जानता हूं वह कुछ मिनटो पहले यहां था। मैं सोचता हूं कि मैंने उसे देखा और मैं—मैं चूक गया...

162 यदि मैं गलत नहीं हूं, तो मैं किसी ऐसे व्यक्ति को देखता हूं जिसे मैं जानता हूं, एक पुरुष और उसकी पत्नी मैं उन्हें देखता हूं, और एक छोटी लड़की जिसका नाम फ्रिट्ज़िंगर है, जो ओहियो से है। क्या वही है, क्या भाई आप... वो भाई फ्रिट्ज़िंगर है? आप एक प्रकार के घुमाव में बैठे हैं जहां... वहां भाई और बहन फ्रिट्ज़िंगर हैं, ओहियो से, जो मेरे मित् हैर।

163 और इन्हें छोडकर यहां यह पीछे बैठे है, एक... यहां इस ओर मैं देखता हूं, एक बूढ़ा व्यक्ति ब्यानबे वर्ष में चल रहा है, जिनका नाम विलियम डाऊच है। वह और उसकी पत्नी। वह नर्स है। ओहियो में, विलियम डाऊच, मेरे बड़े घनिष्ठ मित्र है। अधिक समय नहीं हुआ, वे इक्यावन वर्ष के थे, उनका ह्रदय पूरी तरह बन्द हो रहा था, ह्रदय का दौरा, और उनकी पत्नी ने मुझे बुलाया कि जल्द से आ जाए, वह उस समय मर रहा था। और फिर...

164 वह मेरा बहुत ही घनिष्ठ मित्र रहा है। मैं उन्हें देखने जा रहा था, मैं चिंतित था। और मैं रुक गया, और मेरा एक पहिया बाहर को निकल रहा था, और मेरा टायर फटकर टुकड़े–टुकड़े हो रहा था, और मैं एक टेक्साको के पेट्रोल पंप में गया, और जाकर थोड़ा पेट्रोल भरा, उन्होंने निकल कर, उसे देखा। और मैंने देखा, और मैंने देखा भाई डाऊच मेरे आराधनालय से निकल कर बाहर आ रहे है, मुझसे हाथ मिला रहे है। मैंने कहा, "प्रभु

की महिमा हो।" और मैंने पीछे इस ओर देखा, और यहाँ वह सड़क पर आ रहे है, और मुझे से हाथ मिलाया। मैं उसके पास गया।

165 मैं उसके डॉक्टर से मिला, एक युवा यहूदी, या एक अधेड़ आयू का व्यक्ति, यहूदी पुरुष। और मैंने कहा, "डॉक्टर उसके विषय में क्या है? "

166 कहा कि, "उसमे लड़ने का अवसर भी नहीं है।" कहा कि, "वह ऑक्सीजन पर है।" कहा, "वह वहीं मर जाएगा।" उसने कहा, "याद रखे, वह इक्यानवे वर्ष का है।"

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

167 कहा, "ह्रदय पूरी तरह से असफल है। कुछ नहीं किया जा सकता।" कहा कि, "यह जाने का समय है।"

168 और मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान। परन्तु, वह नहीं जा रहा है। बस ऐसा ही है।"

169 मैं भीतर गया, अपना हाथ बिस्तर के तम्बू के अंदर डाला। मैंने कहा, "भाई डाऊच, क्या आप मुझे सुन सकते हैं? " उसने मेरी ओर देखा। वास्तव में, उसका नाम, वह जर्मन का रहने वाला है, डी–ए–यू–सी–एच, और मैं बस डाऊच उच्चारण करता हूं, देखा। और मैंने—और मैंने अपना हाथ बिस्तर के तम्बू में डाला, और मैंने कहा, "भाई डाऊच, आप मुझे सुन सकते हो? "

उसने कहा, "हाँ।"

मैंने कहा, "आप नहीं जा रहे हो। मैंने देखा आप नहीं जा रहे हैं।"

170 तब से एक सप्ताह पश्चात, मेरे आराधनालय में खड़े थे, जो कि आराधनालय में से चले आ रहे थे, परन्तु भाई डाऊच! मैंने सभा को छोड़ दिया और नदी पर, एक कैफेटेरिया में पहुंचा, खाने के लिए। और जब मैं कार में से बाहर निकला, और सड़क पर चलकर जा रहा था, तो भाई डाऊच अपने हाथ उठाए हुए आ रहे थे। वे दर्शन कभी असफल नहीं होते।

171 और वह व्यक्ति इक्यानवे वर्ष का और कैलिफोर्निया की प्रत्येक सभा में होता है। भाई डाऊच, क्या आप अपना हाथ उठायेंगे? वहां बैठे हुए हो, ताकि लोग देख सके कि अब एक वास्तविक सिपाही क्या है। यहाँ, ठीक यहाँ बैठे है, देखा, इक्यानवे वर्ष के बूढ़े, और प्रत्येक सभा में आते है। जब

मैं यहां आराधनालय में होता हूं, तो वह प्रतिदिन सैकड़ों मील कार चलाता है, मुझे उपदेश देते हुए सुनने आते है, और वापस जाते है। परमेश्वर, "सांझ के समय उजियाला होगा।"

172 मैंने कहा, उस दिन मैं उन से बात कर रहा था, मैंने कहा, "भाई डाऊच, मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं? "

173 "भाई ब्रन्हम, एक निवेदन है। जब वह आता है, मैं उसके साथ जाना चाहता हूं।"

174 कहा, "चिंता मत कीजिए। यह सुरक्षित है। निश्चय ही।" अब, वह व्यक्ति अंदर आया, बपतिस्मा लिया, ओह, अंदर आकर और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया और सब कुछ, मसीह एक बढ़िया सेवक।

175 अब मैं प्रत्येक से कहना चाहता हूं, वास्तविक भक्ति भाव में, आप इस ओर देखें और प्रार्थना करें।

176 अब यहाँ पर कितने शिक्षक जानते हैं कि वह महायाजक है, इस समय, जिसे कि हम अपनी दुर्बलताओं के साथ छू सकते है? देखिए, यदि वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है, और वही महायाजक, तो वह उसी प्रकार कार्य करेगा। केवल, वह, उसकी देह वहां है... परमेश्वर के सिंहासन पर। कितने यह बात जानते हैं? ["आमीन।"] कि यीशु की देह परमेश्वर के सिंहासन पर है। परन्तु वह हमारी देह को अपने प्रगटीकरण के लिए प्रयोग करता है जैसा कि उसने करने की प्रतिज्ञा की है। "जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे।"

मैं आपसे कहने जा रहा हूं, कि शान्त बैठे, आदर सहित, देखे, प्रार्थना करे।

177 अब, स्वर्गीय पिता, मैंने पूरा यत्न किया है, जितना मैं इसके बारे में जानता हूं कि कैसे करना है, करूंगा। अब प्रभु आपकी ओर से, केवल एक शब्द और तब होने दे, एक छोटा धीमा सा शब्द इस सभा मैं आए और कहे, "यह मैं हूं; डरो नही।" पिता, इसे ग्रहण करे। और मैं स्वयं को इस सन्देश के साथ जो आज रात प्रचार किया गया, तेरे पुष्ट किए हुए वचन के साथ समर्पित करता हूं। आपको यह नहीं करना है। परन्तु, आप करेंगे, या आप करते है, क्योंकि आपने यह प्रतिज्ञा दी है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इसे यीशु के नाम में ग्रहण करेगे। आमीन।

178 और प्रत्येक वास्तविक आदर भाव, बिल्कुल भक्ति पूर्ण भाव में रहे। आप कैसे हैं? अब जैसे हम आगे बढ़ते है मैं आपको वचन दूंगा। यदि प्रभु करता है, मैं नहीं जानता। परन्तु जु–... और मैं इस प्रकार से प्रचार कर रहा था, देखा, यह एक प्रकार का अभिषेक है। यह दूसरे प्रकार का अभिषेक है। यह केवल आशीष थी। यह, एक बात थी, जो आप में से जीवन ले लेता है।

179 अब यह महिला यहां खड़ी है। मैंने इसे अपने जीवन में कभी नहीं देखा। क्या हम अपरिचित है? मैं विश्वास करता हूं कि थोड़ी देर पहले आपने कहा है कि, मैं आपको नहीं जानता। परमेश्वर आपको जानता है। वह मुझे जानता है। क्या आप जानती हैं कि हम यहां पर किसलिए खड़े हैं, हमें न्याय के दिन इसके लिए उत्तर देना होगा? [बहन कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आपको यह मालूम हैं? आप जानती हैं कि अब हम क्या करते हैं, परमेश्वर हम से इसके लिए वहां उत्तर मांगेगा? मैंने यह किसी उद्देश्य के लिए कहा है। अब, यदि प्रभु यीशु मुझ पर प्रगट कर देगा कि आप क्या कर रही हैं, आपके विचारो में क्या है, या कुछ इस प्रकार का, तो क्या आप विश्वास करेंगी? आपको इसका विश्वास करना होगा, क्या आप नहीं करेंगी? ["आमीन।"]

180 क्या आप लोग जो सभा में है इसका विश्वास करेंगे?

181 अब हम वैसे ही खड़े हैं जैसे वह स्त्री कुएं पर थी, और हमारा प्रभु, एक पुरुष और एक महिला पहली बार मिल रहे हैं। समझे? यहां हम मिल रहे है... यह संत यूहन्ना का 4था अध्याय है। अब पवित्र आत्मा कहेगा... यदि आप यहां किसी और के लिए हैं, यदि आप रोगी हैं, यदि यह घरेलू समस्या है, यदि यह आर्थिक समस्या है, जो भी है, मेरी कोई कल्पना नहीं है। परंतु वह करता है। परन्तु वह आपके ह्रदयो के विचारों को जांच लेता है। वह वचन है। मैं नहीं कर सकता। मैं एक मनुष्य हूं। आप थोड़ी सी परेशान है, और यही कारण है कि मैं यह कर रहा हूं, आप समझी।

182 घबराहट आपकी एक परेशानी है। यह ठीक बात है। और आपको मधुमेह रोग है, यह दूसरी चीज है जो आपके साथ गडबड है। यह ठीक बात है। उलझने, बहुत सी चीजें गडबड हैं। यह ठीक बात है? यदि यह ठीक है, तो अपना हाथ उठाये। देखा? क्या आप विश्वास करती हैं कि वह आपको चंगा कर देगा? [बहन कहती है, "मैं करती हूं।"—सम्पा।] आप

करती है? अब, यह घबराहट आपकी आयू के कारण है, देखिए, परन्तु अब यह आपको छोड़ देगी। और मैं विश्वास करता हूं कि विश्वास के द्वारा हम कलवरी पर जायेंगे, लहू का संचालन।

183 अब, बिल्कुल ठीक यही जो उसने किया। उसने उस स्त्री को कुयें पर बताया कि उसकी परेशानी क्या थी। उसके बहुत सारे पति थे। आपका क्या था... मैं सोचता हूं घबराहट थी, और दो या तीन और चीजें आपके साथ गडबड है। यह ठीक बात है, है कि नही? यह वही बात है।

184 अब, जब वह शमौन के पास आया, उसने उसे बताया कि वह कौन था। क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आपका नाम क्या है? क्या इससे आप अधिक विश्वास करेगी? यह करेगा? श्रीमती स्ट्रांग... [बहन कहती है, "स्टाऊट।"—सम्पा।] स्टाऊट, क्या आप विश्वास करती है? जाये और विश्वास करे, और आप... यह समाप्त हो गया। आमीन।

185 आईए। आप विश्वास करते हैं? मैं आपके लिए भी अपरिचित हूं। मैं आपको नहीं जानता। परमेश्वर आपको जानता है। क्या आप विश्वास करते हैं कि वह मुझ पर प्रगट कर सकता है कि आपकी क्या परेशानी है? और यदि वह करता है, तब प्रभु परमेश्वर धन्य है। क्या यह सत्य है? [बहन कहती है, "हां, यह सत्य है।"—सम्पा।] अब चिंता नही—नहीं करना है, देखिये, यह—यह तो वो है, जो आप अनुभव कर रही है। वह ठीक है। आप भी एक घबराहट की स्थिति से परेशान हैं, मस्तिक्षक कि विकलता, और बहुत सरलता से टूट जाते है। और आप मूत्राशय रोग से पीड़ित हैं, कलेजे में भी कुछ गड़बड़ है, और आपमें अरक्तता या खून की कमी है। यह ठीक बात है। आप में कुछ है...

186 यह मनुष्य यहां प्रगट हो रहा है। क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आपको चंगा कर सकता है? [बहन कहती है, "हां, मैं करती हूं।"—सम्पा।] आपके पति को भी चंगा और स्वस्थ करता है? आप सोचती हैं कि पेट की बीमारी छोड़ देगी, और वह चंगा हो जाएगा? वह इसी से पीड़ित है। जाकर अपना हाथ उस पर रखे, और उसे ऐसा ही बताए, और यह—यह बीमारी उसे छोड़ देगी।

187 मैं आपके लिए अपरिचित हूं। प्रभु यीशु हम दोनों को जानता है, क्या वह नहीं जानता? क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा

कर सकता है? यदि प्रभु यीशु मुझ पर यह प्रगट कर दे वह बात जो... जो आप... जो बात आपके ह्रदय में है, क्या आप विश्वास करते हैं कि वह आपको चंगा कर देगा? आपको कुछ परेशानी थी। आपके एक—एक—एक पित्ते में गडबडी थी, एक बात। और दूसरी बात, इसके कारण पित्ता फोड़े की स्थिति में हो गया, परन्तु यह वह है जो आपके डॉक्टर ने आपको बताया है। अब, दूसरी बात वे इसकी शल्यचिकित्सा करना चाहते हैं। यह बिल्कुल ठीक है। क्या यह ठीक नहीं है? अब क्या आप विश्वास करते हैं कि वह इसे हटा सकता है? आप सोचते हैं कि आपका विश्वास उसमें है? अब आप देखिए यह मैं नहीं कर रहा हूं। आप विश्वास करते हैं? ठीक है। जाये, और जैसा आपने विश्वास किया है, वैसा ही आपके साथ हो।

188 मैं समझता हूं हम दोनों एक दूसरे के लिए अपरिचित है। प्रभु परमेश्वर हम दोनों को जानता है। क्या आप विश्वास करते हैं कि वह इस योग्य है कि मुझ पर ऐसी बाते प्रगट कर सकता है जिससे आपकी सहायता हो? [बहन कहती है, "हां, मैं यह जानती हूं।"—सम्पा।] आप, आप विश्वास करती हैं कि वह करेगा। ["सकारात्मक।"] मैं कह रहा हूं... "निश्चिय ही," यह बहुत अच्छा है। यह बहुत अच्छा है। अब आप में बहुत सी बाते गडबड है, बहुत सी उलझने और बाते है, और जैसे की खांसी, और आप इस पर काबू नहीं कर पा रहे है। और आप वास्तव में घबराए हुए हैं। और—और यह, यह ठीक बात है।

189 तब, आपके ह्रदय पर एक बोझ भी है, और यह बोझ किसी के लिए है, जो कि आपका पुत्र है। और उसकी एक—एक परेशानी है, कोई घरेलू परेशानी है। वह और उसकी पत्नी हमेशा लड़ते हैं और चल रहा हैं... ? ... और यह बोझ आप पर हैं। यह ठीक बात है। अब आप अपने पूर्व ह्रदय से विश्वास करते है, और यह सब साफ हो गया और चला गया है। अब आप विश्वास करें। प्रभु आपको आशीष दे।

190 श्रीमान, आप कैसे हैं? मैं आपसे अपरिचित हूं, और—और आप मुझ से अपरिचित है। और अब यह—यह आरंभ हुआ... अब जो दर्शन, मैं देखता हूं, ऐसा प्रतित होता है कि सारा घर ज्योतिमय हो गया, एक प्रकार का चक्रवात चारो ओर घूम रहा है। समझे? परन्तु क्या आप विश्वास करते हैं कि प्रभु यीशु मुझ पर प्रगट कर सकता है कि आप यहां किस लिए खड़े हैं? आप विश्वास करते हैं कि वह करेगा? मैं भी यही विश्वास करता हूं। मैं

केवल आपसे बात कर रहा हूं, कि आपकी आत्मा से संपर्क स्थापित करूं, मैं ठीक इसीलिए कर रहा हूं। देखिए, मैं आपको नहीं जानता, इसलिए मुझे छोड़ यह कुछ और है जो कर रहा है। मुझे स्वयं को अपने से पूर्णत: अलग करना होता है, यह वह स्वयं इसे करता है। आप समझे?

191 अब, एक चीज, जिससे कि आप भयानक रूप से पीड़ित हैं वह घबराहट की स्थिति है, और यह घबराहट की स्थिति कुछ समय के लिए होती है। यह ठीक बात है। और घबराहट की यह स्थिति आपके उच्च रक्तचाप का कारण भी है। और आपको एक झटका लगा था। यही है। देखिए, या तो आप प्रचारक रहे हैं, या प्रचारक हैं। अब आप प्रचारक हैं; मैंने आपको प्रचार मंच पर खड़े देखा। तो फिर, परमेश्वर पर विश्वास करे, और यह घबराहट आपको छोड़ देगी। वे सारे सेवक जिन्हें यह है। आप चंगे हो जायेंगे। अपने प्रचार मंच पर वापस जाये, और परमेश्वर कि आज्ञा माने और वचन के साथ यीशु मसीह के साथ स्थिर रहे।

192 आप विश्वास करते हैं कि आपके पीठ का दर्द जब आप कुर्सी पर बैठे थे चला गया? क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [बहन कहती है, "हां।"—सम्पा।] ठीक है, श्रीमान, तो फिर आगे बढ़ते जाए, कहते रहे, "धन्यवाद, प्रभु।"

193 आईए, महिला। आप कैसी हैं? आप विश्वास करती हैं कि मैं उसका दास हूं? [बहन कहती है, "निश्चय ही करती है।"—सम्पा।] ठीक है। क्या आप विश्वास करती हैं कि वह महिला वाली परेशानी, स्त्री रोग, आपको छोड़ने जा रही है? ["आमीन।"] क्या आप करती हैं? तो फिर आगे बढ़िए, कहे, "प्रभु, आपका धन्यवाद हो।"

194 गुर्दे का रोग, पीठ का कष्ट, आपकी पीठ में। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा और आपको इससे चंगा करेगा? आप विश्वास करते हैं कि वह आपको ठीक कर देगा? ठीक है, अपने मार्ग पर बढ़ जाए।

195 आईए, महिला। मैं आपसे अपरिचित हूं। यदि मैं आपसे बिल्कुल कुछ भी ना कहूँ, तो क्या आप विश्वास करेंगी कि परमेश्वर की उपस्थिति यहां पर है कि आप को चंगा करे? [बहन कहती है, "निश्चय ही, मैं इसका विश्वास करती हूं।"—सम्पा।] आप करेंगी? ठीक है, यदि आप करती हैं, तो आपके पेट का कष्ट... मैंने आपको पहले ही कह दिया, देखिये। यह—

यह चला गया। देखिए, मैंने आपको बता दिया।

196 आप कैसे हैं, श्रीमान? परमेश्वर ह्रदय में निवास करता है। और आपका ह्रदय यहां बहुत ही हाल में दर्शा रहा है, खराब है। क्या आप विश्वास करते हैं कि वह इसे ठीक कर देगा? अपने मार्ग पर विश्वास करते हुए जाये। परमेश्वर आपको आशीष दे। आप विश्वास करते हैं; वह इसे ठीक कर देगा।

197 आप घबराए हुए हैं, क्योंकि आपको भी पेट का कष्ट है, आंतो का फोड़ा है। खाने के बाद यह आपको परेशान करता है। आप विश्वास करते हैं कि यह सब चला गया है? जाईए अपने खाने के लिए कुछ लीजिए।

198 उठना आपके लिए कठिन है, पीठ का दर्द आपको बहुत परेशान कर रहा है। [मरीज कहता है, "जी हां, श्रीमान।"—सम्पा।] यदि आप विश्वास करे तो यह आपको अब और परेशान नहीं करेगा। क्या आप करेंगे? ["जी हां, श्रीमान।"] ठीक है, जाइए, और प्रभु यीशु आपको पूरी तरह से चंगा करे।

199 आप किसलिए परेशान हैं? केवल यह कहते हुए जाए, "अब मैं और परेशान नहीं होऊंगा," और आप नहीं होंगे। जाईए और विश्वास कीजिए। ठीक है, श्रीमान।

200 आईए, महिला। अब, इथोपियन स्त्री, और श्वेत पुरुष, बिल्कुल वैसे ही जैसे कि कुछ उसी तरह से उस दिन मिले, यीशु। उनके बीच में अलगाव था जैसा कि दक्षिण में हुआ करता था, परन्तु अब हम में नहीं है। यीशु ये लोग जाने कि सब लोग परमेश्वर के लोग है। उन में कोई भिन्नता नहीं है, देखिए, चाहे वह यहूदी या सामरी थी।

201 अब, यदि परमेश्वर आपकी सहायता ना करे, तो बहुत जल्द ही जोड़ो का दर्द आपको अपहिज कर देगा। परन्तु क्या आप विश्वास करते हैं कि वह आपकी सहायता करने वाला है, आपको चंगा करेगा? जैसे कि महिला ने किया, अपने मार्ग पर जाये और अपने लोगों को बताये कि परमेश्वर ने आपके लिए कितने महान कार्य किये है। तो ठीक है।

अब, वहां शल्यचिकित्सक तेजी से चाकू को निकालता है।

202 बस एक मिनट। यह वह स्त्री नहीं थी। अब, एक क्षण रुके, अब हर कोई आदर भाव में रहे। क्या—क्या शैतान, कुछ करने का प्रयास कर रहा

है। यहाँ यह है। फोड़ा, फोड़ा, आप दोनों को। यह ठीक बात है। आपको फोड़ा है, उस महिला को फोड़ा है, और यह शैतान सहायता के लिए चिल्ला रहा है, एक दूसरे में से। परन्तु पवित्र आत्मा भी चिल्ला रहा है। आप किस पर विश्वास करने जा रहे हैं? ठीक है। महिला, चारपाई में से खड़ी हो जाए। उस रोगी खटोले में से उठ जाए। उठ जाए, उसमे से निकले, और विश्वास करे। जाईए, अब उस पर विश्वास करे। आमीन।

203 क्या आप विश्वास करते हैं? सारी बाते संभव है। क्या आप विश्वास करते हैं? आप जो सभा में है क्या सोचते है इस विषय में?

204 आइए अब हम अपने– अपने पैरों पर खड़े हो जाए। यह करने का यही समय है। हर एक व्यक्ति... परमेश्वर आपको आशीष दे। इस समय हर एक व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो। परमेश्वर की महिमा करें। अपने हाथों उठाये।

205 धन्यवाद, प्रभु यीशु! हम आपकी महानता के लिए आपकी महिमा करते हैं, और रोगियों की चंगाई के लिए।

64–0307 एक गवाही समुंद्र पर
सोल्स हार्बर टेम्पल
डल्लास, टेक्सास यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org